P372

इंदौर, गुरुवार 30 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 157
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

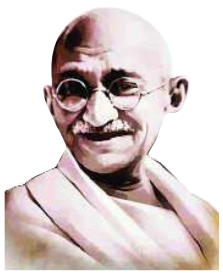

राष्ट्रपिता को नमन...

एग्जिट पोल का खेल

अक्षय की बात अपनों के साथ

भारतीय चुनावी लोकतंत्र में एग्जिट पोल अब एक स्थायी इवेंट बन चुका है। लोगों को इस पल का बेसब्री से इंतजार रहता है। मतदान खत्म होते ही लोग टीवी स्क्रीन और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर रिजल्ट देखने बैठ जाते हैं। जबकि सबको पता होता है कि एग्जिट पोल के रिजल्ट सही होने के चांस फिफ्टी-फिफ्टी ही होते हैं। सीटों के अनुमान और वोट प्रतिशत की गणना के साथ शुरू हो जाता है, सरकार बनने-बिगड़ने के दावे। पर सवाल वही पुराना है कि अगर एग्जिट पोल सचमुच विश्वसनीय नहीं हैं तो यह लोगों को आकर्षित क्यों करता है। तो क्या यह सिर्फ एक आकर्षक टाइम पास है, जिसे दर्शकों की भावनाओं को साधने के लिए परोसा जाता है?

2004 के लोकसभा चुनाव में ज्यादातर पोल एनडीए की जीत बता रहे थे, लेकिन यूपीए सत्ता में आई। 2021 के बंगाल चुनाव में एग्जिट पोल टीएमसी-बीजेपी में कांटे की टक्कर दिखा रहे थे, लेकिन ममता बनर्जी की पार्टी ने भारी बहुमत हासिल किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी कई एग्जिट पोल एनडीए को 350 से अधिक सीटें दे रहे थे, वास्तव में क्या हुआ हम सभी ने देखा।

दरअसल, कई बार एग्जिट पोल के अनुमान चौंकाने वाली सटीकता के साथ नतीजों के करीब पहुंच जाते हैं, तो कई बार पूरी तरह उलट साबित होते हैं। यही अनिश्चितता इसे एक दिलचस्प लेकिन संदिग्ध औजार बनाती है। कुछ लोग एग्जिट पोल को गणित से ज्यादा मनोविज्ञान का खेल भी मानते हैं। बुधवार को आए एग्जिट पोल से इस द्वंद्व को ठीक से समझ सकते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए कुछ पोल्स में टीएमसी को हारते हुए दिखाया गया, जबकि अन्य पोल्स में वही पार्टी रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज करती नजर आती है। एक ही चुनाव, एक ही मतदाता, लेकिन नतीजों के अनुमान बिल्कुल विपरीत। यह विरोधाभास एग्जिट पोल की सीमाओं को उजागर करता है। इसी तरह तमिलनाडु में एक्सिस माई इंडिया का सर्वे अभिनेता विजय की पार्टी को बहुमत में दिखा रहा है जबकि अधिकांश अन्य एग्जिट पोल इस संभावना को खारिज करते नजर आ रहे हैं।

इस तरह आम मतदाता के लिए यह समझना मुश्किल हो जाता है कि किस पर भरोसा किया जाए और किसे महज अटकल मानकर छोड़ दिया जाए। असल में, एग्जिट पोल केवल आंकड़ों का विश्लेषण नहीं है, ये एक तरह का नैरेटिव भी बनाते हैं।

सड़क चौड़ाई पर राजनीति, जनता के दबाव में झुका निगम

स्वच्छ शहर में अब संकरी सड़क मॉडल की शुरुआत

जनता ने शुरू की तोड़फोड़ : निगम के नोटिस के बाद कई इलाकों में रहवासियों ने अपने स्तर पर ही बाधक निर्माण हटाने शुरू कर दिए हैं। जिसी और कंडीलपुरा क्षेत्रों में लोग परिवार के साथ मिलकर मकानों और दुकानों के हिस्से तोड़ते नजर आ रहे हैं, ताकि निगम की कार्रवाई से पहले नुकसान कम किया जा सके। नगर निगम का कहना है कि बाधाएं हटते ही सड़क और पुल निर्माण कार्य तेजी से शुरू किया जाएगा। जिंसी-किला मैदान मार्ग और उससे जुड़े पुल का काम एक ही एजेंसी को दिया गया है।

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में मास्टर प्लान की सड़कों को लेकर वर्षों से चल रहा विवाद अब एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। जनता के विरोध और जनप्रतिनिधियों के समर्थन के बीच नगर निगम ने आखिरकार कई प्रस्तावित सड़कों की चौड़ाई घटाकर निर्माण करने का रास्ता चुन लिया है। यानी अब शहर में पहली बार पहले चौड़ाई तय करो, फिर जनता के दबाव में घटाओ वाली नई परंपरा शुरू होती दिख रही है। दरअसल, मास्टर प्लान के तहत प्रस्तावित सात सड़कें चौड़ाई के विवाद में फंस गई थीं। रहवासियों का कहना था कि यदि मूल चौड़ाई के अनुसार सड़कें बनाई गई तो बड़ी संख्या में पुराने मकान और दुकानें टूट जाएंगी। क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने भी रहवासियों की मांग का समर्थन किया, जिसके बाद निगम को अपने कदम पीछे खींचने पड़े। महापौर परिषद सदस्य राजेंद्र राठौर ने स्वीकार किया कि सड़क निर्माण को आगे बढ़ाने और जनता को राहत देने के लिए चौड़ाई कम करने का निर्णय लिया गया है। वहीं निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने कहा कि राज्य शासन की ओर से इस संबंध में आदेश जारी होने की जानकारी मिली है और आदेश मिलते ही अमल किया जाएगा।

क्या मास्टर प्लान सुझाव बनकर रह जाएगा?

इंदौर में पहली बार ऐसा हो रहा है जब मास्टर प्लान में तय सड़क चौड़ाई को जनदबाव के चलते बदला जा रहा है। इससे एक बड़ा सवाल खड़ा हो गया है- क्या भविष्य में हर सड़क परियोजना राजनीतिक दबाव और विरोध के आधार पर बदली जाएगी? शहर विकास के लिए चौड़ी सड़कें जरूरी हैं, लेकिन पुराने इलाकों में विस्थापन और तोड़फोड़ का डर भी उतना ही बड़ा मुद्दा है। फिलहाल निगम ने बीच का रास्ता चुना है, मगर यह मॉडल आगे शहर नियोजन के लिए नई चुनौती भी बन सकता है।

इन सड़कों की घटेगी चौड़ाई

कंडीलपुरा रोड, जिसे मास्टर प्लान में 100 फीट चौड़ा प्रस्तावित किया गया था, अब 80 फीट में बनाने की तैयारी है। मल्हारगंज क्षेत्र में नेमीनाथ मंदिर और शंकरगंज मार्ग, जिनकी प्रस्तावित चौड़ाई 80 फीट थी, उन्हें 60 फीट में विकसित करने की पहल हुई है। जिंसी से किला मैदान तक की सड़क को भी 80 फीट से घटाकर 60 फीट करने पर सहमति बनी है। हालांकि, मुटकेश्वर महादेव मंदिर से सदर बाजार को जोड़ने वाली सड़क पर निगम पीछे हटने के मूड में नहीं है। मास्टर प्लान के मुताबिक यह सड़क 60 फीट चौड़ी ही बनाई जाएगी। इस परियोजना के कारण करीब 98 मकानों के हिस्से प्रभावित होंगे। निगम ने भरोसा दिलाया है कि मंदिर की जो बाउंड्रीवाल टूटेगी, उसका पुनर्निर्माण निगम स्वयं कराएगा।

विभागीय समितियों में एडजस्ट होंगे हजारों भाजपा कार्यकर्ता : प्रभारी मंत्रियों को सौंपी जिम्मेदारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • मध्य प्रदेश में सत्ता और संगठन के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अब जिला स्तर पर 'कार्यकर्ता एडजस्टमेंट' का महाभियान शुरू कर दिया है। एमपी के 55 जिलों में सरकारी समितियों और बोर्डों के जरिए स्थानीय स्तर के प्रमुख कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। सरकार और संगठन का मुख्य फोकस इस बात पर है कि पंचायत स्तर से लेकर जिला स्तर तक सक्रिय कार्यकर्ताओं को सरकारी कामकाज में भागीदार बनाया जाए। प्रभारी मंत्रियों को उनके प्रभार वाले जिलों में नियुक्तियों की कमान सौंपी गई है। जिलों में कोर ग्रुप की बैठकें लगातार जारी हैं, जहां नामों को छांटने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस कवायद के तहत 31 विभागों की लगभग 70 से अधिक तरह की समितियों में हजारों कार्यकर्ताओं की नियुक्तियां होनी हैं।

एक जिले में करीब 200 नेता होंगे पावरफुल-अगर हर जिले में विभागों द्वारा तय समितियों और सदस्यों की संख्या का आकलन करें, तो एक जिले में लगभग 190 से 200 के बीच सदस्यों की नियुक्तियां अलग-अलग समितियों में की जानी हैं। इस आधार पर मध्य प्रदेश के 55 जिलों में कुल 10,500 से अधिक कार्यकर्ताओं को सरकारी समितियों में जगह मिलने जा रही है। यह संख्या जिला स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय और ग्राम पंचायत स्तरीय समितियों के सदस्यों को मिलाकर और भी बड़ी हो सकती है, जो बीजेपी के जमीनी तंत्र को सक्रिय करने का बड़ा जरिया बनेगी। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि हमारा प्रयास है कि जो भी नियुक्ति हो, उसमें पार्टी नेतृत्व की सर्वानुमति हो और सभी की सहमति शामिल हो। इसी कारण कई बार समय लगता है, लेकिन हम धीरे-धीरे सभी नियुक्तियां कर रहे हैं।

ट्रैफिक व्यवस्था राम भरोसे... हम तो व्यस्त चालानी कार्रवाई में...

इंदौर। शहर के सबसे व्यस्त चौराहे पलासिया स्क्वेयर पर गत 3-4 दिन से दोपहियां वाहन चालकों के हेलमेट को लेकर चालानी कार्रवाई की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में लगभग एक दर्जन से अधिक पुलिस जवान लगे हुए हैं। **फोटो : दैनिक इंदौर संकेत**

कच्चा तेल चार साल में सबसे महंगा : कीमतें 126 प्रति बैरल पहुंची

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) • मिडिल ईस्ट में जंग के बीच कच्चे तेल की कीमत 126 डॉलर प्रति बैरल के पार कर गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 126.31 डॉलर प्रति बैरल तक चली गई, जो मार्च 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फिलहाल यह 125 डॉलर प्रति बैरल के आस-पास ट्रेंड कर रहा है। द गार्जियन के मुताबिक इसकी वजह ट्रम्प का वह बयान है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका, ईरान के बंदरगाहों पर अपनी सैन्य नाकेबंदी जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि जब तक ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं करता, तब तक यह नाकेबंदी नहीं हटेगी। इस फैसले का सीधा असर होर्मुज पर जारी तनाव पर पड़ा है, जो दुनिया के सबसे अहम तेल सप्लाई रूट्स में से एक है। इस वजह से तेल की सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। वहीं, तेल की कीमतें बढ़ने को लेकर ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने तंज कसते हुए कहा कि अगला पड़ाव 140 डॉलर होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प को उनके लोग बेकार सलाह दे रहे हैं।

बढ़ती तेल कीमतों से सेंसेक्स गिरा 1000 अंक

मुंबई। शेयर बाजार में आज 30 अप्रैल को गिरावट है। सेंसेक्स करीब 1000 अंक की गिरावट के साथ 76,500 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी करीब 300 अंक की गिरावट है, ये 23,900 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। ऑटो, मेटल, बैंकिंग और रियल्टी शेयर्स में ज्यादा गिरावट है। जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक अपने शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है।

देपालपुर अंचल में जारी अमानक पॉलिथीन का बड़ा कारोबार

स्वच्छता का ढिंढोरा... धड़ल्ले से बिक रही बाजार में पॉलिथीन

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर/गौतमपुरा • दैनिक इंदौर संकेत

नगर को स्वच्छ बनाने के लिए महापौर से लेकर कमिश्नर तक लगातार प्रयास कर रहे हैं। स्वच्छता को लेकर नए-नए प्रयास किए गए, जिसमें नगर परिषद को सफलताएं भी मिली लेकिन देपालपुर गौतमपुरा में अमानत पॉलिथीन का बड़ा कारोबार चल रहा है। इस और देपालपुर नगर परिषद और गौतमपुरा नगर परिषद को ध्यान देने की आवश्यकता है। जानकारी में पता चला कि गौतमपुरा क्षेत्र में चायना पॉलिथीन का व्यापार धड़ल्ले से चल रहा ह। इतना ही नहीं पॉलिथीन बंद होने के बावजूद नगर में खुलेआम बिक रही है। साथ ही दुकानदार भी पॉलिथीन बंद होने का भरपूर फायदा उठा रहे हैं। 20 से भी 25 रु . किलो ऊंचे दामों पर ग्राहकों को दे रहे। इतना ही नहीं सरकार ने अमानत पॉलिथीन को बंद कर रखा है। उसके बावजूद भी माल बाजार में बिक रहा है। जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी

है, लेकिन कार्यवाही नहीं की जाती है। चायना थैली सबसे ज्यादा नुकसान दायक है। ऐसा ही हाल देपालपुर के नगर परिषद का भी है। यहां भी धड़ले से अमानत पॉलिथीन बिक रही है, लेकिन छोटे-मोटो दुकानदारों पर चालानी कार्यवाही कर मामले को निपटा दिया जाता है, लेकिन क्षेत्र में बड़ी कार्यवाही की जरूरत है, माल कहां से आ रहा है? कौन सप्लाई कर रहा है? बड़े-बड़े दुकानदारों पर नकेल कसना पड़ेगी, तब जाकर देपालपुर और गौतमपुरा स्वच्छ और सुंदर नजर आएगा एक तरफ तो हम स्वच्छता के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। कहीं होटल संचालकों ने चाय डिस्पोजल बंद कर दिए। यह स्वच्छता के लिए अच्छा संदेश है, जिम्मेदारों को जागना होगा। बड़े-बड़े दुकानदारों पर छापेमार कार्रवाई करना होगी। दुकानों में रखी पॉलिथीन को जप्त कर नष्ट करना होगा या फिर बड़े पैमाने पर चालानी कार्रवाई को अंजाम देना होगा, तब जाकर देपालपुर और गौतमपुरा स्वच्छ सुंदर दिखने लगेगा। महापौरजी आपने इंदौर को पॉलिथीन मुक्त शहर बनाया है आपने जो संकल्प नगर को स्वच्छ बनाने के लिए लिया है, उम्मीद है आपके ही मार्गदर्शन में हमारा नगर भी पॉलिथीन मुफ्त बनेगा, लेकिन ठीक उसी प्रकार कार्रवाई हमारे नगर में भी होना चाहिए, जो कार्यवाही आपने इंदौर में की गई, ठीक ऐसी ही कार्यवाही की जरूरत देपालपुर गौतमपुरा में है।

एक की गलती ने उजाड़ दिए कई घर

धार में हुए दर्दनाक हादसे में सामने आया सच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

धार • कल देर रात मध्य प्रदेश के धार जिले के लिए किसी काले साये की तरह आई। इंदौर-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिकलिया फाटा के पास उस वक्त चीख-पुकार मच गई, जब मजदूरों से खचाखच भरी एक पिकअप गाड़ी मौत का तांडव करते हुए डिवाइडर फांदकर दूसरी ओर जा गिरी। यह सिर्फ एक सड़क हादसा नहीं था, बल्कि उन 16 परिवारों की उम्मीदों का अंत था जो मजदूरी कर अपने बच्चों का पेट पालने का सपना देख रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप वाहन धार से मांगूद की ओर जा रहा था। गाड़ी की रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक थी। चिकलिया फाटा पर स्थित जियो पेट्रोल पंप के पास अचानक पिकअप का अगला

टायर जोरदार धमाके के साथ फट गया। चश्मदीद शुभम सिसोदिया बताते हैं, 'धमाका इतना तेज था कि लगा जैसे कोई बम फटा हो। पिकअप अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ी और 3-4 बार हवा में गुलाटियां मारते हुए सड़क के दूसरी ओर से आ रही स्कॉर्पियो से जा टकराई। इस हादसे ने सबसे ज्यादा मासूमों को अपना निशाना बनाया। मृतकों में 6 बच्चे शामिल हैं। जब अस्पताल में 'ब्रॉट डेड' (मृत अवस्था में लाए गए) की सूची तैयार हो रही थी, तो वहां मौजूद हर शख्स की आंखें नम थीं। 9 साल की तनु (पुत्री उमेश, निवासी नयापुरा) और किरण (पुत्री दिनेश, निवासी सेमलीपुरा) की मासूमियत को काल के क्रूर पंजों ने छीन लिया। 14-15 साल के सुमित (पिता नानूराम), आयुष (पिता राजेंद्र) और गोकुल (पिता कैलाश), जो शायद छुट्टियों में अपनों के साथ काम पर निकले थे, अब कभी घर नहीं लौटेंगे।

12वीं में पूरक वाले छात्र पहले चरण में पंजीयन कर सकेंगे, प्रवेश प्रक्रिया सीएलसी में

सीबीएसई 12वीं बोर्ड परिणाम अभी नहीं आया, एमपी बोर्ड में पूरक वाले छात्र असमंजस में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय, निजी महाविद्यालयों में यूजी और पीजी फर्स्ट इयर व सेमेस्टर में एडमिशन की प्रक्रिया 1 मई से शुरु होने जा रही है। वहीं सीबीएसई 12 वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम अब तक घोषित नहीं हुआ है, वहीं एमपी बोर्ड 12 वीं के परिणाम भले ही घोषित हो गए हैं, लेकिन कई छात्रों को पूरक आई हैं। ऐसे में हजारों विद्यार्थियों में असमंजस की स्थिति बन गई है। विशेषज्ञों का मानना हैं कि पहले बोर्ड परिणाम पूरी तरह घोषित होने चाहिए थे, उसके बाद प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जानी चाहिए। हालांकि 12 वीं के रिजल्ट का इंतजार करने वाले छात्रों के लिए मप्र उच्च शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। विभाग ने कहा है 12 वीं में पूरक प्राप्त विद्यार्थियों को भी प्रावधिक प्रवेश के लिए पंजीयन करवाना अनिवार्य है। ऐसे छात्र पहले चरण में पंजीयन कर सकेंगे, लेकिन

आरक्षण नियमों का सख्ती से पालन

विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि आरक्षण नियमों का पालन पूरी सख्ती से किया जाएगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग व दिव्यांग विद्यार्थियों को शासन द्वारा निर्धारित आरक्षण का लाभ मिलेगा। साथ ही, छात्राओं के लिए भी विशेष प्रावधान सुनिश्चित किए गए हैं ताकि उन्हें उच्च शिक्षा में अधिक अवसर प्राप्त हो सकें। महाविद्यालय चयन के दौरान विद्यार्थियों को अपनी पसंद के संस्थान और विषयों की प्राथमिकता भरने का अवसर मिलेगा। शिक्षा विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि प्रदेश के बाद नियमित कक्षाएं समय पर शुरु की जाएंगी और विद्यार्थियों की उपस्थिति, परीक्षा व्यवस्था व अकादमिक कैलेंडर का सख्ती से पालन किया जाएगा।

पूरी तरह ऑनलाइन है प्रवेश प्रक्रिया

विशेषज्ञों के अनुसार उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए महाविद्यालयों में यूजी व पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभाग की ओर से जारी इस प्रक्रिया का उद्देश्य प्रवेश व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल और छात्रहितैषी बनाना है, ताकि विद्यार्थियों को समय पर और बिना किसी परेशानी के अपनी पसंद के महाविद्यालय और विषय में प्रवेश मिल सके। प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएगी। विद्यार्थियों को विभाग के निर्धारित पोर्टल पर जाकर पंजीयन करवाना होगा। पंजीयन के दौरान छात्रों को अपनी शैक्षणिक योग्यता, व्यक्तिगत जानकारी, श्रेणी, निवास प्रमाण, जाति प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र व अन्य आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी दस्तावेजों का सत्यापन निर्धारित समय सीमा के अंदर करवाया जाना अनिवार्य होगा, नहीं तो आवेदन निरस्त माना जा सकता है।

आवश्यक दस्तावेज, प्रमाण पत्र अपलोड करने व महाविद्यालय/पाठ्यक्रम चयन की प्रक्रिया सीएलसी चरण की निर्धारित समय सीमा में ही कर सकेंगे। प्रवेश प्रक्रिया संचालन के मध्य पूरक परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित होने पर ही उन्हें सीएलसी चरण में अपने ऑनलाइन आवेदन की अद्यतन करने के साथ ही महाविद्यालय/पाठ्यक्रम की च्वाइस फिलिंग व दस्तावेज, प्रमाण पत्र को स्कैन कर अनिवार्यत: ऑनलाइन अपलोड करना रहेगा।

मई में खत्म हो जाएगा पहला चरण: पहले चरण के तहत ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 1 से 15 मई तक चलेंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 2 से 16 मई तक, सीट आवंटन 20 मई को किया जाएगा। आवंटित महाविद्यालय में एडमिशन शुल्क का भुगतान व अन्य प्रक्रिया 20 से 26 मई तक की जा सकेगी। दूसरा चरण 28 मई से 13 जून तक चलेगा। इसके बाद सीएलसी का पहला चरण 15 जून से 30 जून तक चलेगा। पीजी के लिए पहले चरण की प्रक्रिया 2 से 26 मई तक चलेगी। दूसरा चरण 28 मई से 13 जून तक चलेगा। सीएलसी का पहला चरण 15 जून से 30 जून तक चलेगा।

बीएड, एमएड, बीपीएड, एमपीएड, बीएडएमएड (एकीकृत तीन वर्षीय), आईटीईपी व बीएलएलएड व बीएड (अंशकालीन तीन वर्षीय) (एनसीटीई) पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया 2 मई से शुरु हो रही है। पहला चरण 26 मई तक चलेगा। दूसरा चरण 28 मई से 13 जून तक चलेगा। तीसरा चरण 15 से 30 जून तक चलेगा।

भ्रम और तनाव दोनों बढ़ रहे

विभाग ने स्पष्ट किया है कि प्रवेश प्रक्रिया के सीएलसी चरण तक आवेदकों के पूरक परीक्षा के परिणाम घोषित न होने की स्थिति में पूरक प्राप्त विद्यार्थियों को महाविद्यालय में स्थान रिक्त होने की स्थिति में प्रावधिक प्रवेश दिया जाएगा। इस व्यवस्था से विद्यार्थियों और अभिभावकों की परेशानी बढ़ गई है। कई छात्रों का कहना हैं कि रिजल्ट घोषित हुए बिना प्रवेश प्रक्रिया शुरू करना अनुचित है, क्योंकि इससे भ्रम और तनाव दोनों बढ़ रहे हैं। पूरक परीक्षा परिणाम आने तक छात्र न तो पूरी तरह प्रवेश सुनिश्चित कर पाएंगे न ही अपने भविष्य की स्पष्ट योजना बना पाएंगे। विभाग ने यह भी कहा है कि यदि सीएलसी चरण तक पूरक परीक्षा के परिणाम घोषित नहीं होते हैं, तो रिक्त सीटों की उपलब्धता के आधार पर ही छात्रों को प्रावधिक प्रवेश दिया जाएगा, यानि अंतिम निर्णय सीटों की स्थिति पर निर्भर करेगा, जिससे विद्यार्थियों की अनिश्चितता और बढ़ सकती है।

समाधान योजना से 9.14 लाख बिजली उपभोक्ता लाभान्वित

- उपभोक्ताओं को 90 प्रतिशत सरचार्ज माफी का अंतिम मौका
- इंदौर जिले में एक लाख से ज्यादा उपभोक्ता लाभान्वित

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तीन माह से अधिक के बकाया बिलों के लिए 15 मई तक लागू समाधान योजना का लाभ लेकर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ कराने की अपील की है। इसके अंतर्गत पुराने बकाया बिलों के एकमुश्त भुगतान पर सरचार्ज राशि पर 70 से 90 प्रतिशत तक एवं किश्तों में बिल

भुगतान का विकल्प चुनकर पहली किश्त तुरंत जमा कराने पर 50 से 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है। कंपनी क्षेत्र के सभी जिलों में अब तक 9.14 लाख उपभोक्ताओं ने योजना का लाभ लेकर छूट प्राप्त की है। इन उपभोक्ताओं को करीब 40 करोड़ रूपए की छूट मिली है। वहीं बिजली कंपनी को 299 करोड़ रूपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। समाधान योजना में सबसे ज्यादा इंदौर जिले एक लाख से ज्यादा उपभोक्ता लाभान्वित हुए है। दूसरे स्थान पर 95800 उपभोक्ताओं के साथ खरगोन जिला, तीसरे स्थान पर 94700 उपभोक्ताओं के साथ उज्जैन जिला, चौथे स्थान पर 82300 उपभोक्ताओं को लाभान्वित कराने वाला जिला रतलाम रहा। अन्य जिलों में भी 26500 से 73 हजार उपभोक्ताओं के समाधान योजना में सरचार्ज माफ किए गए।

सोनम रघुवंशी के पिता ने भरी जमानत राशि, जेल से आई बाहर, पुलिस की यह चूक पड़ी भारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देशभर में चर्चित हनीमून मर्डर मिस्ट्री इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या में गिरफ्तार आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को जमानत मिल गई है। कोर्ट के आदेश के बाद पिता देवी सिंह ने जमानत राशि भर दी और वह जेल से बाहर आ गई। हनीमून पर गए इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलांग (सोहरा) में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस की चूक से आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी को जमानत मिल गई है। वह 09 जून से ही जेल में बंद थी। इसके पहले तीन बार जमानत आवेदन खारिज हो गया था। वहीं, चौथे आवेदन में सोनम के वकील ने तर्क रखे कि सोनम की गिरफ्तारी की प्रक्रिया सही नहीं थी, उन्हें किस आरोप में पकड़ा गया, यह सही नहीं बताया

गया था। इसके बाद कोर्ट ने सोनम को जमानत दे दी। वहीं, जमानत शर्तों के चलते वह इंदौर नहीं आ सकेंगी। जमानत की शर्तों के तहत सोनम इंदौर नहीं आ सकती है। उसे बिना मंजूरी कोर्ट अधिकार क्षेत्र यानी शिलांग से बाहर जाने पर रोक है। साथ ही 50 हजार का बॉन्ड और दो जमानती भी लगने हैं।

इसी शर्त के तहत 50 हजार का बॉन्ड सोनम ने भरा और साथ ही पिता देवी सिंह और एक स्थानीय होटल संचालक द्वारा जमानत दी गई है। कोर्ट ने माना कि सोनम के मौलिक अधिकार 22 (1) का उल्लंघन हुआ है। इसके तहत गिरफ्तारी की वजह बताना जरूरी है, पुलिस ने यह चूक की है।

पुलिस ने जो सोनम को धारा बताई, वह 103(1) हत्या की न बताकर 403(1) यानी संपत्ति का दुरुपयोग बता दी। गिरफ्तारी की धारा में कागज पर अंतर मिला। यह चूक की गई। गाजीपुर (यूपी) में जब पहली बार गिरफ्तारी की गई, 9 जून को, तब उसके पास कोई वकील नहीं था, जो उसे मिलना चाहिए था। यहीं से शिलांग पुलिस गिरफ्तार कर शिलांग ले गई थी।

यह भी वजह बनी बाहर आने की

पुलिस ने इस मामले में पहला चालान तो समय पर पेश किया, लेकिन बाद में पूरक चालान पेश किए। इसके बाद जिला कोर्ट में ट्रायल देरी से हुआ, अभी तक 90 में से केवल चार गवाह ही पुलिस पेश कर सकी। दस माह में केवल चार गवाह आए। पूरक चालान के बाद ट्रायल धीमा हो गया। वहीं, मुख्य वजह संविधान की धारा 22(1) का उल्लंघन बनी। कोर्ट ने इस तरह साफ कर दिया कि यदि संवैधानिक दायरे और प्रक्रिया का पालन नहीं किया जाएगा, तो न्याय में बड़ी बाधा बनेगी। जब इस मामले में सोनम का नाम सामने आया था, तब उसके पिता देवी सिंह रघुवंशी ने कहा था कि हमारे लिए सोनम मर चुकी है। वहीं, अब वही पिता शिलांग जाकर 50 हजार रुपए के मुचलके पर उसकी जमानत कराकर उसे अपने साथ ले गए।

ठेकेदारों के हौसले बुलंद अवैध शराब बिक रही गांव गांव

देपालपुर,गौतमपुरा, बेटमा, रंगवासा के ठेकेदार गांव गांव बिकवा रहे शराब

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

ग्रामीण अंचल में अवैध शराब का काम कोई नया नहीं है। नए-नए ठेकेदार ऊंचे दामों में टेंडर लेते हैं लेकिन वह खपत दुकानों से उन्हें नहीं मिलती जिसका नया तरीका ठेकेदारों ने निकाला गांव-गांव में डायरी बनाई गई और इस डायरी के माध्यम से अवैध शराब धड़ल्ले से गांवों में बेचते है। लेकिन शासन के नियम में डायरी से कारोबार अवैध है लेकिन ठेकेदार इसको वैध मानकर काम करते है। अवैध शराब का गढ़ देपालपुर गौतमपुरा बेटमा रंगवासा बना हुआ है। इसकी जानकारी आबकारी विभाग के अधिकारियों को भी है, लेकिन कार्यवाही नहीं की जाती

इतना ही नहीं ठेकेदार अपनी गाड़ियों से ग्रामीण क्षेत्रों में शराब का माल भेजते हैं। सुबह 7:00 से ही शराब ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच जाती है। दूधवाला लेट पहुंचे लेकिन शराब वाला सबसे पहले गांव में पहुंच जाता है जानकारी में पता चला पहले गांवों में लाल, सफेद के पांव मिलते थे लेकिन अब तो अंग्रेजी शराब बियर की बोतल बियर के केन गांवों में आसानी से मिल जाते हैं गांवों में 10,20 रु तक की ज्यादा वसूली बोटल पर होती है क्या आबकारी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अवैध शराब को लेकर कार्यवाही करेंगे या फिर ठेकेदार के आगे नसमस्तक दिखाई देंगे।

आबकारी आयुक्त अभिषेक तिवारी लगातार अवैध शराब को लेकर इंदौर में कार्यवाही करवा रहे हैं अवैध शराब वाले की कमर तोड़ने का काम उन्होंने किया ठीक ऐसी कार्रवाई की देपालपुर गोतमपुरा बेटमा और रंगवासा में जरूरत है अब देखना होगा अभिषेक तिवारी क्षेत्र में क्या कार्यवाही करते हैं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम का

कांग्रेस द्वारा विरोध किए जाने पर महिला मोर्चा का जनआक्रोश पैदल मार्च आज

- कॉंग्रेस की अर्थी निकाली जाएगी, होगा अनूठा विरोध प्रदर्शन
- केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, संभाग प्रभारी रणवीर सिंह रावत होंगे शामिल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय जनता पार्टी नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक व मार्च संयोजक गोलू शुक्ला, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा ने बताया कि कांग्रेस ने महिला विरोधी मानसिकता के चलते लोकसभा में 'नारी शक्ति वंदन' अधिनियम का विरोध

किया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने लोकसभा में सिर्फ एक अधिनियम का विरोध कर देश की आधी आबादी का अपमान किया है। इसके विरोध में आज 30 अप्रैल शाम 5 बजे चिकमंगलूर चौराहे से रघुनाथपूरम मंदिर खातीपुरा तक महिला मोर्चा द्वारा जनाक्रोश व्यक्त करते हुए पैदल मार्च निकाला जाएगा। मार्च में केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर, संभाग प्रभारी रणवीरसिंह रावत भी शामिल होंगे।

नेताओं ने बताया कि सभी विधानसभाओं से महिलाएं चिकमंगलूर चौराहे पर एकत्रित होगी। सभा के पश्चात नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध करने वाली कॉंग्रेस की बैंडबाजों के साथ अर्थी निकाली जाएगी। इसके पश्चात खातीपूरा चौराहे पर कॉंग्रेस का पुतला दहन किया जाएगा।

फोनपे ने 70 करोड़ रजिस्टर्ड यूजर्स का आंकड़ा पार किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फोनपे ने आज घोषणा की है कि 29 अप्रैल, 2026 तक उसके प्लेटफॉर्म पर रजिस्टर्ड यूजर्स की कुल संख्या 700 मिलियन (70 करोड़) के ऐतिहासिक आंकड़े को पार कर लिया है। यह उपलब्धि भारत में फोनपे की व्यापक पहुंच और इसके डिजिटल प्लेटफॉर्म द्वारा प्रदान की जाने वाली पेमेंट्स और फाइनेंशियल सर्विसेज की विशाल रेंज को दिखता है।

यह कंपनी की लगातार हो रही ग्रोथ को भी दिखाता है, जो ग्राहकों के बढ़ते भरोसे, बाज़ार में सबसे आगे रहने वाले डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क और भरोसेमंद व आसान डिजिटल पेमेंट अनुभव बनाने पर लगातार ध्यान देने कारण संभव हुआ है। इस सफर में जो बात सबसे अलग है, वह न केवल इसकी विशालता है, बल्कि विकास की गति भी है। फोनपे को अपने पहले 1 मिलियन यूजर्स तक पहुँचने में 136 दिन लगे थे, और अब यह उपलब्धि हर 6 दिन में हासिल की जा रही है। वित्त वर्ष 2023 से वित्त वर्ष 2025 तक, कंपनी ने 56.25% की निरंतर कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट बनाए रखी है, जो यह साबित करता है कि इतने बड़े स्तर पर पहुँचने के बाद भी फोनपे की तरक्की की रफ़्तार लगातार और मज़बूत बनी हुई है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● ग्रीष्म ऋतु में तापमान में हो रही निरन्तर वृद्धि को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा लू-तापघात से बचने के लिए सामान्य उपाय बताए गए है। इन उपायों को अपनाकर कुछ सामान्य राहत मिल सकती है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में तापमान बढ़ने और गर्म हवा लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती है। वृद्ध, बच्चें, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना अत्यधिक गर्मी से प्रभावित होना व तापघात के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि गर्मी व तापघात से बचाव के लिए खूब पानी पीये व खाली पेट न रहें, शराब व चाय-कॉफी के अधिक सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढके व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहने, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़े, दिन में दोपहर 12 बजे से शाम 04 बजे के मध्य बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिएं, बुखार व तापघात होने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें।

जरूरतमंदों को सम्मान और पारदर्शिता के साथ सहायता देना ही हमारा संकल्प-मुख्यमंत्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा समाज के सभी निर्धन, निराश्रित, वृद्धजनों, कल्याणी, परित्यक्ता, अविवाहिता एवं दिव्यांगजनों के कल्याण एवं आर्थिक सहायता के लिए विभिन्न प्रकार की पेंशन योजनाएं संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा दी जाने वाली यह सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि सिर्फ आर्थिक सहायता नहीं, यह सरकार के उस विश्वास का अंतरण है, जो इस बात का प्रतीक है कि सरकार हर परिस्थिति में हर घड़ी जरूरतमंदों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने बुधवार को मंत्रालय से समग्र पेंशन योजना के तहत प्रदेश के 33 लाख 45 हजार 231 हितग्राहियों के बैंक खातों में मार्च पेड अप्रैल की 200 करोड़ 71 लाख रुपये की पेंशन राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की।

बचपन में बच्चों को दिए गए धर्म के संस्कार और धर्म की शिक्षा उन्हें जीवनभर धर्म से जोड़े रखेगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन तीर्थ स्वरूप आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर में चल रहे ग्रीष्मकालीन जैन धर्म शिक्षण शिविर में बच्चे जहां देव दर्शन, प्रक्षाल,अभिषेक, शांति धारा और अष्ट द्रव्य से पूजन करना सीख रहे हैं वहीं उन्हें जैन धर्म की शिक्षा (प्रथम भाग),जैनत्व के संस्कार,24 तीर्थंकरों के नाम एवं उनकी पहचान के चिन्ह भी याद कराए जा रहे हैं।

प्रतिदिन प्रात: 7:30 से 9: बजे तक सांगानेर से पधारे युवा विद्वान सौरभ शास्त्री एवं सृजन शास्त्री शिविर में सम्मिलित 5 वर्ष से 15 वर्ष तक के बच्चों को सरल भाषा में प्रशिक्षण दे रहे हैं। आज उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से बचपन में बच्चों को दी जा रही धर्म की शिक्षा और संस्कार उन्हें जीवन भर धर्म से जोड़े रखेंगे। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि संध्या 7 से 9 बजे तक महिलाओं के लिए भी शिक्षण शिविर लग रहा है जिसमें वरिष्ठ युवा विद्वान भरत शास्त्री आचार्य देवसेन विरचित ग्रंथ आलाप पद्धति का स्वाध्याय करा रहे हैं।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 30 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

जय नरसिंह के उदघोष से समूचे मंदिर परिसर को गुंजायमान बनाए रखा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● छत्रीबाग स्थित श्री जांगड़ा पोरवाल पंचायती सभा स्थित प्राचीन लक्ष्मी नरसिंह मंदिर पर बुधवार को सुबह भक्ति, परम्परा, संस्कृति और आस्था-श्रद्धा का मनोहारी समन्वय देखने को मिला, जब सुबह 21 विद्वानों के निर्देशन में हजारों बंधुओं ने शंख, घंटे-घड़ियाल की मंगल ध्वनि और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 'हरि नन्दलाल भजो, नरसिंह गोपाल भजो....' और 'जय नरसिंह' के उदघोष से समूचे मंदिर परिसर को गुंजायमान बनाए रखा। सुबह से भक्तों के आगमन का क्रम शुरू हो गया था। इस दौरान 2 हजार से अधिक समाज बंधुओं ने भगवान लक्ष्मी नरसिंह का पंचामृत, 7 तरह के फलों और 11 किस्म के फूलों से महाभिषेक किया। भक्ति भाव का यह प्रवाह 4.30 घंटों तक लगातार चलता रहा। गुरुवार को सुबह 8 बजे छत्रीबाग स्थित मंदिर से अंतर्राष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय के आचार्य जगदगुरु स्वामी रामदयाल महाराज के पावन सानिध्य में भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें एक दिव्य रथ पर भगवान लक्ष्मी नरसिंह विराजित होकर नगरवासियों को दर्शन देने निकलेंगे ।

अग्रवाल महासंघ की नई कार्यकारिणी में सभी पदाधिकारी निर्विरोध चुने गए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री अन्नपूर्णा क्षेत्र अग्रवाल महासंघ की वर्ष 2026-28 की नई कार्यकारिणी का गठन विज्ञान नगर स्थित नवनीत गार्डन पर आयोजित समाजबंधुओं की बैठक में किया गया। सर्वसम्मति से हुए चुनाव में महासंघ के संरक्षक किशोर गोयल ने नई कार्यकारिणी में मनोज अग्रवाल को अध्यक्ष, विष्णु गोयल को महामंत्री एवं पिंकेश मोदी को संयोजक नियुक्त किया है। सभी पदों पर निर्विरोध चुनाव का यह एक अनुकरणीय उदाहरण माना जा रहा है। निवृतमान अध्यक्ष संजय गोयनका, पूर्व अध्यक्ष शिव गर्ग एवं सुरेश गुप्ता ने बताया कि अन्य पदाधिकारियों में सीए मनीष अग्रवाल कोषाध्यक्ष, प्रतीक गोयल उपाध्यक्ष, श्रीमती मुक्ति-गोपाल अग्रवाल महिला उपाध्यक्ष, धर्मेन्द्र गर्ग सहमंत्री एवं अभिषेक सोंथलिया प्रचार मंत्री नियुक्त किए गए।

कलियुग में गौसेवा से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं : युगपुरुष

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खंडवा रोड स्थित अखंड परमधाम आश्रम गौशाला समिति के अध्यक्ष रामबाबू अग्रवाल ने हरिद्वार में अखंड परमधाम के महामण्डलेश्वर एवं राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के न्यासी युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरी से मुलाकात कर उन्हें इन्दौर आश्रम में चल रहे विकास कार्यों एवं गौशाला निर्माण सहित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। रामबाबू अग्रवाल ने युगपुरुष स्वामी परमानन्द गिरी को बताया कि गौशाला निर्माण के लिए शहर के प्रमुख समाजसेवी बंधु बड़ी संख्या में आगे आकर सहयोग प्रदान कर रहे हैं और चाहते हैं कि यह गौशाला अत्याधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न होकर आदर्श गौशाला बने। युगपुरुष ने इंदौर के सेवाभाव की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह सदकार्य और पुण्य का कार्य है। कलियुग में गौसेवा से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं हो सकता, गौमाता की सेवा माता-पिता और गुरु का दर्जा एक ही होता है। वर्तमान में गौभक्तों को पूरे देश में जागरूकता लाने और सरकार को विवश करने की दिशा में काम करना चाहिए तभी सही मायने में गौसेवा सार्थक होगी और गौहत्या पर रोक लग सकेगी।

जनगणना कार्य में प्राचार्यों की भी ड्यूटी लगाई

प्राचार्यों ने कहा स्कूल और संकुल का कार्य हो सकता है प्रभावित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● 1 मई से शुरू हो रहा जनगणना कार्य के लिए जिले के लगभग 30 शासकीय स्कूल के प्राचार्यों की ड्यूटी भी लगा दी गई है, उन्हें भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें फील्ड पर घूमने का काम नहीं दिया है, लेकिन आवश्यकता पड़ी तो अधिनस्थ कर्मचारियों की मदद के लिए उन्हें जाना पड़ सकता है। प्राचार्य अपनी ड्यूटी जनगणना में लगाए जाने से परेशान नजर आए और उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बात भी की, लेकिन बात नहीं बनी। जनगणना कार्य में ड्यूटी को लेकर कर्मचारियों द्वारा नाखुशी जाहिर की जा रही है। बड़ी संख्या में ऐसे कर्मचारी भी हैं जिन्होंने ट्रेनिंग ही नहीं ली है और जिन्होंने ट्रेनिंग ले ली है वह इस जुगत में है कि कैसे भी हो उनके आदेश निरस्त हो जाए इधर कर्मचारियों, मेन पावर की कमी के चलते नगर निगम प्रशासन ने इंदौर जिले के लगभग दो दर्जन प्राचार्यों को भी इस कार्य में लगा दिया है। प्राचार्यों का कहना है कि अधिकांश की उम्र काफी अधिक है और वे इस उम्र में घर-घर नहीं भटक सकते। यदि वे जनगणना कार्य करेंगे तो स्कूल और संकुल का कार्य ठप्प हो जाएगा। जबकि अगले माह ही कक्षा 10वीं 12वीं बोर्ड की द्वितीय अवसर की परीक्षाएं आरंभ होने जा रही है इसके अलावा पुन: मूल्यांकन का कार्य भी शुरू होगा। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक पिछले दिनों जिले के विभिन्न शासकीय हाई स्कूल और हाई सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्यों की सूची जनगणना कार्य के लिए सामने आई थी। जिसमें लगभग 25 से 30 प्राचार्यों के नाम शामिल थे। जनगणना कार्य में नाम आते ही कई प्राचार्यों के हाथ-पांव फूल गए और उन्होंने फील्ड वाली ड्यूटी से इंकार कर दिया। जिनकी ड्यूटी लगाई गई है वे प्राचार्य अपर आयुक्त और जनगणना प्रभारी नरेंद्र नाथ पांडे से मिले और उन्होंने अपनी समस्याएं उन्हें बताई।

फील्ड पर नहीं जाना होगा, सुपर विजन का कार्य करेंगे

जानकारी के अनुसार जनगणना प्रभारी पांडे ने प्राचार्यों से मुलाकात के बाद उनके कार्यों के बारे में बताया कि उन्हें फील्ड पर नहीं जाना होगा। सभी प्राचार्य सुपर वाइजर बनाए जा रहे हैं, जिन्हें अपने दफ्तर से ही पूरे कार्य का सुपर विजन करना होगा। दिनभर का डेटा एकत्रित कर उसे सबमिट करना होगा। इससे उनका संकुल व स्कूल का कार्य भी प्रभावित नहीं होगा और न ही उन्हें फील्ड पर जाना होगा। इस बात पर सभी प्राचार्य सहमत हो गए और ट्रेनिंग भी ली।

परीक्षा और पुनः मूल्यांकन कार्य प्रभावित होने की आशंका

एक और जहां एक मई से जनगणना आरंभ होने जा रही है तो आगामी 7 मई से 10वीं 12वीं बोर्ड की द्वितीय अवसर की परीक्षा आरंभ होने जा रही है। ऐसे में बड़ी संख्या में शिक्षक शिक्षिकाओं की ड्यूटी इस कार्य में भी लगेगी जो कि उनका मूल कार्य भी है लेकिन देखने में यह आ रहा है की बड़ी संख्या में ऐसे शिक्षक शिक्षिकाओं की भी जनगणना कार्य में ड्यूटी लगा दी गई है और उन्होंने प्रशिक्षण भी ले लिया। अब यह लोग जनगणना का कार्य करेंगे तो 7 मई से आरंभ होने वाली परीक्षा और पुनर्मूल्यांकन तथा द्वितीय अवसर के मुख्य मूल्यांकन में उत्तर पुस्तिकाओं को कौन जांचेगा या कौन मूल्यांकन व्यवस्था को संचालित करेगा यह बड़ा सवाल नगर निगम और जिला प्रशासन के सामने खड़ा है।

ट्रेन से गिरकर घायल हुए व्यक्ति को त्वरित सहायता से पहुँचाया अस्पताल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खंडवा जिले के थाना हरसूद क्षेत्र में डायल-112 जवानों की तत्पर एवं संवेदनशील कार्रवाई से ट्रेन से गिरकर घायल हुए एक व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुँचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। इस त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को शीघ्र चिकित्सकीय सहायता मिल सकी। 29 अप्रैल को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना प्राप्त हुई कि थाना हरसूद क्षेत्र अंतर्गत चारखेड़ा खुर्द रेलवे स्टेशन पर एक व्यक्ति ट्रेन से गिरकर घायल हो गया है। तत्काल पुलिस सहायता की आवश्यकता है। सूचना प्राप्त होते ही हरसूद थाना क्षेत्र में तैनात डायल-112 एफआरव्ही वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। मौके पर पहुँचकर डायल-112 स्टाफ प्रधान आरक्षक श्री वीर सिंह एवं पायलट श्री रोहित ने पाया कि एक व्यक्ति ट्रेन से गिरने के कारण घायल हो गया था। डायल-112 जवानों ने घायल व्यक्ति को तत्काल एफआरव्ही वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, हरसूद पहुँचाया।

स्वामी पुरसनाराम साहिब का वार्षिक मेला शुरू, 151 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● उज्जैन के अब्दालपुरा स्थित दरबार साध पुरसनाराम साहिब में योगीराज 1008 स्वामी पुरसनाराम साहिब का दो दिवसीय वार्षिक मेला बुधवार से शुरू हो गया। मेले के शुभारंभ अवसर पर 151 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। आयोजन की शुरुआत जयपुर से आए साध मुकेश जी के सानिध्य में हुई। झंडा साहब का सेवा-कीर्तन और ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके बाद कलश शोभायात्रा निकाली गई। कलश यात्रा अब्दालपुरा से प्रारंभ होकर खजूर वाली मस्जिद, गीता कॉलोनी, झूलेलाल मंदिर और मोदी का चोपड़ा होते हुए स्वामी लीलाशाह धाम सिंधी धर्मशाला पहुंची। यात्रा में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश रखकर चल रही थीं। ढोल-नगाड़े, बैंड-बाजे, घोड़े, बग्गी और डीजे के साथ निकली इस शोभायात्रा में श्रद्धालु भजन-कीर्तन पर झूमते नजर आए। साध मुकेश ने पैदल चलकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने मंच लगाकर शोभायात्रा का स्वागत किया। दोपहर 12 से 2 बजे तक आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। समाजसेवी लक्ष्मण दास पमनानी के अनुसार इस दो दिवसीय आयोजन में देश-विदेश से श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। चारों समय के भंडारे में भी बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

श्रीश्री माता आनंदमयी पीठ पर आनंदमयी मां का 131 वां जन्म महोत्सव भव्य शोभायात्रा के साथ शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एबी रोड स्थित श्री श्री माता आनंद मयी पीठ पर श्री श्री आनंदमयी मां का 131 वां जन्म महोत्सव बुधवार को भव्य शोभा यात्रा के साथ शुरू हुआ, शोभा यात्रा में मां आनंदमयी पालकी पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकली। यह महोत्सव 5 मई तक चलेगा। प्रतिदिन देशभर से आए साधु संतो के प्रवचन होंगे। स्वामी परिपूर्णानंद ने बताया कि सात दिवसीय जन्म महोत्सव की शुरूआत बुधवार को सुबह 8 बजे भव्य शोभा यात्रा के साथ हुई। ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं पीठाधिश्वर स्वामी केदारनाथ महाराज के पावन सानिध्य में मां आनंदमयी का वेद मंत्रों के बीच पूजन अर्चन करके मां को फूलों से सजी पालकी में विराजित किया। भक्तों ने अपने कांधे पर पालकी लेकर यात्रा शुरू करी , मां पालकी पर सवार होकर भक्तों को दर्शन देने निकली। यात्रा में पालकी के आगे महिलाएं सिर पर श्रद्धा के कलश लिए नाचते गाते हुए चल रही थी। देश विदेश से आए भक्तगण भी यात्रा में भजन कीर्तन करते चल रहे थे। यात्रा में बड़ी संख्या में साधु संत भी सम्मिलित हुए। यात्रा मंदिर से शुरू होकर विभिन्न मार्गो से होते हुए वापस मंदिर पहुंची। पहले दिन महोत्सव में श्रीमद् भागवत कथा,वेदांत सम्मेलन एवं शिवशक्ति महायज्ञ के विशेष कार्यक्रम के साथ अनेक अन्य धार्मिक आयोजन भी हुए। श्रीमद् भागवत कथा की शुरुआत सुबह 10 बजे हुई, महामंडलेश्वर विरागानंद महाराज के मुखारविंद से कथा शुरू हुई। वेदांत सम्मेलन का शुभारंभ हुआ इसमें पूरे भारतवर्ष से अनेक साधु संत एवं महामंडलेश्वर पधारे जिनमें प्रमुख रूप से स्वामी ब्रह्मचारी श्री ज्येश्वर चैतन्य वाराणसी,स्वामी कृष्णा नंद,महामंडलेश्वर रामगोपाल दास महाराज सहित अन्य संत उपस्थित रहे। इन्होंने अलग-अलग विषयों पर प्रवचन और व्याख्यान दिया।

सीएम डॉ. यादव करेंगे उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में उपार्जन केंद्र पर चल रही गेहूँ उपार्जन की प्रक्रिया का आने वाले दिनों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और किसानों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव यह भी देखेंगे कि निर्देशानुसार शासन-प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाएं किसानो को प्राप्त हो रही है या नहीं।

किसानों भाइयों के लिये उपार्जन केन्द्रों में उपलब्ध सुविधाएँ

● उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिए पीने का पानी, बैठने के लिए छायादार स्थान, जन सुविधाएं आदि की व्यवस्थाएं की गई हैं।

● किसानों को समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय में किसी प्रकार की परेशानी न हो एवं उपज विक्रय के लिए इंतजार न करना पड़े इसके लिये किसानों को जिले के किसी भी उपार्जन केन्द्र पर उपज विक्रय करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

● किसानों को गेहूँ की तौल के लिये इंतजार नहीं करना पड़े इस हेतु उपार्जन केन्द्रों में तौल कांटों की संख्या बढ़ाकर 6 कर दी गई है और अधिक तौल कांटे बढ़ाने की सुविधा अब जिलो को दी गई है ।

● गेहूँ के लिये एफएक्यू मापदंड में शिथिलता प्रदान की गई है। चमक विहीन गेहूँ की सीमा 50 प्रतिशत तक की गई है। सूकड़े दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक की गई है। क्षतिग्रत दानों की सीमा बढ़ाकर 6 प्रतिशत तक की गई है।

लिस्टेड गुंडों को 48 घंटे में छोड़ना होगा खंडवा जिला

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने तीन आदतन बदमाशों को जिलाबदर किया है। जिला दंडाधिकारी ऋषव गुप्ता ने मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आदेश जारी कर तीनों आरोपियों को एक साल के लिए खंडवा समेत 7 जिलों की सीमाओं से बाहर रहने के निर्देश दिए हैं। थाना मोघट रोड पुलिस द्वारा तैयार प्रस्ताव पर यह कार्रवाई की गई है। पुलिस ने आदेश तामील करा दिया है और बदमाशों को 48 घंटे के भीतर क्षेत्र छोड़ना होगा। लगातार आपराधिक गतिविधियों और आदतों में सुधार न होने पर एसपी मनोज कुमार राय के निर्देशन में थाना मोघट रोड पुलिस ने जिलाबदर का प्रस्ताव तैयार कर कलेक्टर न्यायालय में पेश किया था। एएसपी महेंद्र तारणेकर और सीएसपी अभिनव बारंगे के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

सीएम के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन-आंदोलन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रदेश में जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। अभियान के तहत जल संरक्षण और संवर्धन के कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। हजारों खेत तालाब, कूप-रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण और पुरानी जल संरचनाएं पुनर्जीवित की जा रही हैं। जनभागीदारी और नवाचार से अभियान को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक 39 हजार 977 खेत तालाबों का निर्माण, 59 हजार 577 कूप-रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण तथा 21 हजार 950 से अधिक पूर्व निर्मित जल संरचनाओं को पुनर्जीवित किया जा चुका है। अभियान के क्रियान्वयन में खंडवा, खरगोन, डिंडोरी, राजगढ़ और बालाघाट जिले अग्रणी हैं। नगरीय निकायों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, नाले-नालों की सफाई और सौंदर्यीकरण को बढ़ावा दिया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत बैतूल, अशोकनगर, बालाघाट, डिंडोरी और नरसिंहपुर जिले शीर्ष स्थान पर हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 19 मार्च गुड़ी पड़वा को जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया था, जो 30 जून तक जारी रहेगा। विभिन्न जिलों में इस अभियान में कई नवाचार हो रहे हैं, यह एक व्यापक जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेशवासियों से आह्वान किया है कि वे जल संरक्षण के इस महत्वपूर्ण अभियान से जुड़ें।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

उत्पादन पर ब्रेक: पश्चिम एशिया के संकट ने भारत की औद्योगिक रफ्तार को झटका दिया

आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में बिजली उत्पादन लगभग स्थिर रहा, इसमें वृद्धि दर महज 0.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष के मुकाबले काफी कम है। जाहिर है कि इससे भी समग्र औद्योगिक वृद्धि दर पर दबाव बढ़ा है। पिछले वर्ष विनिर्माण क्षेत्र में अच्छे प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन की जो लुभावनी तस्वीर दिखाई दे रही थी, वह इस साल पश्चिम एशिया में उपजे संकट की वजह से फीकी पड़ गई है। सरकार की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया कि औद्योगिक उत्पादन वृद्धि मार्च में घटकर पांच महीने के निचले स्तर 4.1 फीसद पर आ गई। इसका कारण विनिर्माण क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन को माना जा रहा है, जिसके पीछे अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष से उपजे हालात भी एक बड़ी वजह है। होर्मुज जलमार्ग के बंद होने से जहां तेल और गैस आपूर्ति की वैश्विक शृंखला बाधित हुई है, वहीं देश का निर्यात भी प्रभावित हुआ है, जिसका सीधा असर औद्योगिक उत्पादन पर पड़ा है। गौरतलब है कि समग्र औद्योगिक उत्पादन में विनिर्माण क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी है और इसमें गिरावट देश के आर्थिक विकास की रफ्तार के लिए चिंताजनक है। अगर पश्चिम एशिया में हालात सामान्य होने में ज्यादा समय लगा, तो स्थिति और ज्यादा बिगड़ सकती है। आंकड़ों के मुताबिक, मार्च में बिजली उत्पादन लगभग स्थिर रहा, इसमें वृद्धि दर महज 0.8 फीसद रही, जो पिछले वर्ष के मुकाबले काफी कम है। जाहिर है कि इससे भी समग्र औद्योगिक वृद्धि दर पर दबाव बढ़ा है। देश में एक ओर बढ़ती महंगाई की चुनौतियां हैं, तो दूसरी ओर वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट और अनिश्चितता के माहौल का असर औद्योगिक उत्पादन पर पड़ रहा है। यह स्वाभाविक है कि अगर देश में उत्पादन घटेगा, तो विकास की रफ्तार कमजोर पड़ती जाएगी। इससे पहले अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए शुल्क की वजह से औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित हुआ था। पश्चिम एशिया में संघर्ष से पैदा हुआ संकट कब तक हल हो पाएगा, इस संबंध में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता, इसलिए इसका असर दूरगामी न हो और देश में विकास की गति धीमी न पड़े, इसके लिए सरकार को वैकल्पिक उपायों पर ध्यान केंद्रित कर नए रास्ते तलाशने होंगे। अगर समय रहते इस पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में जो हालात पैदा होंगे, उनसे निपटना आसान नहीं होगा।

एग्जिट पोल की सच्चाई - लोकतंत्र का आईना या मीडिया का मुखौटा?

जब आंकड़ों की चकाचौंध सच का मुखौटा पहनने लगे, तभी सवाल उठाना जरूरी हो जाता है—29 अप्रैल 2026 की वह शाम ठीक ऐसी ही थी। मतदान खत्म होते ही टीवी स्क्रीन पर एग्जिट पोल का सैलाब उमड़ पड़ा, मानो जनादेश पहले ही लिख दिया गया हो। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के दावे, असम में प्रचंड बहुमत की भविष्यवाणी, दक्षिण भारत में कड़े मुकाबले के संकेत—हर चैनल अपनी कहानी गढ़ रहा था। इन आंकड़ों की चमक ने माहौल को रोमांचक जरूर बनाया, लेकिन भीतर ही भीतर एक संशय भी जन्म लेने लगा। क्या ये अनुमान सचमुच जनता के मन की गहराइयों को छू रहे हैं, या फिर यह केवल एक ऐसा परदा है जो सच्चाई को ढककर भ्रम का नया संसार रच रहा है?

हर चैनल का अपना सच – आखिर किसे मानें जनमत का आईना?

नतीजों से पहले जीत-हार तय – क्या यही है लोकतंत्र की नई तस्वीर?

जब पूर्वानुमान ही परिणाम बनने लगें, तब लोकतंत्र की दिशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है-एग्जिट पोल अब केवल प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रभावशाली शक्ति हैं। ये आंकड़े दलों के आत्मविश्वास को बढ़ा-घटा सकते हैं, बाजार की दिशा तय कर सकते हैं और मतदाता की सोच प्रभावित कर सकते हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में बड़े अनुमान वास्तविक नतीजों से अलग रहे, जिससे केवल समीकरण ही नहीं, जनता का भरोसा भी डगमगाया। 2026 में भी वही तस्वीर है, जहां हर चैनल अपनी गणना से विजेता तय कर रहा है। ऐसे में चिंता बढ़ती है कि क्या हम इन अनुमानों से लोकतंत्र की सच्चाई समझ रहे हैं, या अनजाने में उसके मूल स्वरूप को कमजोर कर रहे हैं।

जब मतदाता का मन ही रहस्य बन जाए, तब उसे आंकड़ों में बांधना कठिन हो जाता है-भारत जैसे विविध देश में यह पहेली और गहरी है। यहां निर्णय केवल विचारधारा पर नहीं, बल्कि जाति, क्षेत्र, स्थानीय मुद्दों, व्यक्तिगत अनुभवों और भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के मिश्रण पर आधारित होता है। कई बार मतदाता अपनी वास्तविक राय छिपा लेते हैं, जिससे एग्जिट पोल की सटीकता पर सवाल उठते हैं। 2021 और 2024 के चुनावों में 'साइलेंट वोटर' ने सभी अनुमानों को ध्वस्त कर दिया। 2026 में भी यह अनदेखी ताकत सक्रिय हो सकती है, जो किसी भी सर्वेक्षण को चुनौती दे सकती है। यही वह बिंदु है जहां एग्जिट पोल की सीमाएं स्पष्ट होती हैं-वे आंकड़े दिखाते हैं, मन की गहराइयों को नहीं पढ़ पाते।

हर शोर में भ्रम नहीं होता-कुछ आवाजें सच भी कहती हैं, और एग्जिट पोल उसी सच की झलक बन सकते हैं। फिर भी यह कहना गलत होगा कि इनका कोई महत्व नहीं है। जब ये ईमानदारी और वैज्ञानिक पद्धति से किए जाते हैं, तो ये समाज के उन वर्गों की आवाज बनते हैं जो अक्सर मुख्यधारा से दूर रहते हैं। गांवों, कस्बों और हाशिए के समुदायों की राय सामने लाते हैं। यह लोकतंत्र की सकारात्मक झलक भी देते हैं, जहां हर आवाज मायने रखती है। चुनाव आयोग के नियम (सेक्शन 126) इनके दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं। लेकिन टीआरपी की दौड़, राजनीतिक दबाव और व्यावसायिक हित अक्सर इन आदर्शों को कमजोर कर देते हैं, जिससे निष्पक्षता पर सवाल उठने लगते हैं।

जब सच का आईना टेढ़ा दिखने लगे, तब खतरा गहराना तय है-एग्जिट पोल यदि वास्तविकता नहीं, उसका विकृत प्रतिबिंब बन जाएं तो असर दूर तक जाता है। जब ये अनुमान गलत साबित होते हैं, तो प्रभाव केवल राजनीतिक दलों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि जनता के विश्वास पर भी पड़ता है। 2024 में दिखी आर्थिक और मानसिक अस्थिरता इस बात का प्रमाण है कि गलत अनुमान बड़ी कीमत वसूलते हैं। यदि 2026 के परिणाम भी इन पूर्वानुमानों से अलग निकलते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर सवाल होगा। तब यह पूछना लाजमी होगा कि क्या हम डेटा के नाम पर भ्रम को बढ़ावा दे रहे हैं?

जब अनुमान की सीमाएं खुद स्वीकार हों, तब सटीकता पर सवाल स्वाभाविक है—भारत जैसे विशाल देश में भविष्यवाणी करना बेहद कठिन है। सैंपलिंग की सीमाएं, जमीनी डेटा जुटाने की चुनौतियां और अंतिम क्षणों में मतदाता के मन में बदलाव—ये सभी एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को प्रभावित करते हैं। फिर भी ये पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। ये रुझान समझने का माध्यम देते हैं, दलों को रणनीति पर पुनर्विचार के लिए प्रेरित करते हैं और जनता को चर्चा का आधार देते हैं। लेकिन समस्या तब होती है जब इन्हें अंतिम सत्य मान लिया जाता है, जिससे भ्रम और अपेक्षाओं का टकराव पैदा होता है।

जब मतदाता का फैसला हर बार अनुमान को चौंका दे, तब उसकी अप्रत्याशितता ही उसकी असली पहचान बन जाती है—भारतीय मतदाता यही साबित करता आया है। इतिहास गवाह है कि यहां अंतिम क्षण का निर्णय कई बार सभी अनुमानों को धता बता देता है। 2004 और 2024 के चुनाव इसके स्पष्ट उदाहरण हैं। यह दिखाता है कि लोकतंत्र की असली ताकत किसी सर्वेक्षण में नहीं, बल्कि जनता की स्वतंत्र सोच और निर्णय क्षमता में है। एग्जिट पोल इस जटिलता को पूरी तरह नहीं समझ पाते, क्योंकि वे केवल सतह को छूते हैं, गहराई को नहीं।

जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है—एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही—इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं। यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं; लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें। क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

गर्मी से 14 दिन में 15 ट्रांसफार्मर जल चुके, 43 डिग्री तापमान में ट्रांसफार्मर 70 डिग्री तक गर्म

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन • भीषण गर्मी पड़ रही है, जिसके कारण पिछले 14 दिनों में शहर में 15 ट्रांसफार्मर जल चुके हैं। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है, जिससे ट्रांसफार्मर 70 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो रहे हैं। इस समस्या से निपटने के लिए बिजली विभाग ने ट्रांसफार्मरों के आसपास कूलर लगाने शुरू कर दिए हैं। बुधवार को खरगोन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर ओवरलोड हो रहे हैं, जिससे उनका तापमान लगातार बढ़ रहा है। उन्हें ठंडा रख पाना बिजली विभाग के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। ट्रांसफार्मरों को गर्मी से बचाने और बिजली आपूर्ति बनाए रखने के लिए उनके आसपास कूलर लगाए जा रहे हैं। पिछले एक पखवाड़े में शहरी क्षेत्र में 15 ट्रांसफार्मर जलने की घटनाएं सामने आई हैं। लोड बनाए रखने के लिए कई बार बिजली ट्रिपिंग करनी पड़ रही है। दो दिन पहले रात में मोतीपुरा क्षेत्र के एक ट्रांसफार्मर में विस्फोट भी हुआ था। ऐसी स्थिति में, लोड बढ़ने पर ग्रिड से अन्य फीडरों पर लोड ट्रांसफर किया जा रहा है। गर्मी के कारण बिजली की खपत में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सामान्य दिनों में जहां लगभग 78 लाख यूनिट बिजली की खपत होती थी, वहीं गर्मी में यह बढ़कर 90 लाख यूनिट प्रतिदिन तक पहुंच गई है।

जिला अस्पताल में अब होंगे बड़े हड्डी ऑपरेशन, नई मशीनों से मिलेगी सुविधा

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • जिला अस्पताल में जल्द ही हड्डी रोग के बड़े ऑपरेशन शुरू होंगे। अब तक यहां केवल छोटे ऑपरेशन किए जाते थे, लेकिन नए उपकरण आने के बाद गंभीर हड्डी रोगों का इलाज भी संभव हो पाएगा। अस्पताल में इन दिनों व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कई कार्य चल रहे हैं। इनमें गार्डन की सफाई, फिजियोथेरेपी रूम में नई व्यवस्थाएं, नालियों और चैंबर की सफाई तथा स्ट्रेचर व व्हीलचेयर की मरम्मत शामिल है। यह सुधार कार्य कलेक्टर हर्ष सिंह के निरीक्षण के बाद शुरू हुए हैं। उन्होंने हाल ही में अस्पताल का औचक निरीक्षण किया था और मरीजों के परिजनों से बातचीत की थी। इसके बाद रोगी कल्याण समिति की बैठक में व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए गए थे। सिविल सर्जन डॉ. दर्पण टोके ने बताया कि जिला अस्पताल में 24 घंटे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत किया जा रहा है।

किसानों ने मनावर-सिंघाना में 10 हजार क्विंटल गेहूं बेचा

दैनिक इंदौर संकेत

मनावर • किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदने का काम तेजी से चल रहा है। अब तक मनावर और सिंघाना के केंद्रों को मिलाकर लगभग 350 किसानों से 10 हजार क्विंटल से ज्यादा गेहूं खरीदा जा चुका है। क्षेत्र में इस बार बड़े पैमाने पर गेहूं की बुवाई हुई है और प्रशासन का पूरा जोर इस बात पर है कि किसानों को अपनी फसल बेचने में कोई परेशानी न आए। आपूर्ति अधिकारी अनुराग वर्मा के अनुसार, सभी केंद्रों पर किसानों के लिए छाया, पीने के पानी, तौल और गेहूं की छनाई की अच्छी व्यवस्था की गई है। सरकारी कर्मचारी सुबह 8 बजे से ही काम में जुट जाते हैं। अधिकारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में जब खेतों में फसल कटाई और मड़ाई का काम पूरी तरह खत्म हो जाएगा, तब केंद्रों पर किसानों की भीड़ और बढ़ेगी। प्रशासन ने किसानों से यह भी अपील की है कि वे बिचौलियों के चक्कर में न पड़ें और सीधे सरकारी केंद्रों पर अपनी उपज बेचें।

अब तक हुई खरीद के आंकड़ों पर नजर डालें तो ग्राम देवला में 111 किसानों से 3,215 क्विंटल, मनावर मार्केटिंग केंद्र पर 116 किसानों से 4,101 क्विंटल और सिंघाना में 64 किसानों से 2,973 क्विंटल गेहूं खरीदा गया है। बुधवार शाम 5 बजे तक की स्थिति देखें तो एक ही दिन में 96 किसानों से 3,663 क्विंटल गेहूं की खरीद हुई है। क्षेत्र के कुल 2,698 पंजीकृत किसानों में से 350 अपनी फसल बेच चुके हैं।

किसानों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर स्लॉट बुकिंग की आखिरी तारीख बढ़ा दी गई है। अब किसान 9 मई के बजाय 23 मई तक अपनी स्लॉट बुकिंग करा सकेंगे। तारीख बढ़ने के साथ ही उपार्जन केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी ताकि काम जल्दी हो सके। एनआईसी के माध्यम से स्लॉट बुकिंग के तकनीकी सिस्टम को भी सुधारा गया है, जिससे किसानों को ऑनलाइन बुकिंग में आने वाली समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

नर्मदा आंदोलन की याचिका पर हाईकोर्ट का अल्टीमेटम, कहा-हफ्तेभर में जवाब दें

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • नर्मदा बचाओ आंदोलन की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए एमपी हाईकोर्ट जबलपुर ने सख्ती अपनाई हैं। कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा को निर्देश दिया है कि वे आंदोलन के ज्ञापन पर एक सप्ताह के भीतर जवाब दें, अन्यथा उन्हें स्वयं न्यायालय में उपस्थित होना पड़ेगा। मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह तय की गई है।

ओंकारेश्वर बांध से प्रभावित किसानों के वयस्क पुत्रों को मुआवजा और पुनर्वास लाभ देने को लेकर यह विवाद लंबे समय से जारी है। आंदोलन के अनुसार, राज्य सरकार ने 7 जून 2013 को विशेष पैकेज घोषित किया था, जिसमें भूमिहीन परिवारों और उनके वयस्क पुत्रों को 2.5 लाख रुपए देने का प्रावधान था। बाद में 31 जुलाई 2019 के आदेश से इस राशि पर 15% वार्षिक ब्याज भी जोड़ा गया।

आरोप है कि सरकार ने उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत रुख के बावजूद वयस्क पुत्रों को ये लाभ अब तक नहीं दिए हैं। इसी मुद्दे को लेकर जनहित याचिका दायर की गई थी। हाईकोर्ट ने 10 जुलाई 2023 को राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह वयस्क पुत्रों के अधिकारों पर जल्द निर्णय ले। इसके बाद 29 नवंबर 2024 के आदेश में अदालत ने अपर मुख्य सचिव व नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष को 10 फरवरी 2022 के ज्ञापन पर दो माह में निर्णय लेने को कहा था। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया था कि निर्णय से पहले याचिकाकर्ता को सुना जाए और विस्तृत आदेश जारी कर सूचित किया जाए। नर्मदा बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता आलोक अग्रवाल का कहना है कि बार-बार प्रयासों के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसके बाद अवमानना याचिका दायर की गई। सुनवाई के दौरान नर्मदा बचाओ आंदोलन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज शर्मा ने कोर्ट को बताया कि 8 सितंबर 2025 को सुनवाई तो हुई, लेकिन सात महीने बाद भी कोई आदेश जारी नहीं किया गया, जो न्यायालय की अवमानना है।

सिंगाजी थर्मल प्लांट में कन्वेयर बेल्ट में फंसा कर्मचारी, मौत

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • संत सिंगाजी ताप विद्युत परियोजना में देर रात एक हादसे में 21 वर्षीय कर्मचारी की मौत हो गई। मृतक की पहचान रविंद्र चौहान निवासी ग्राम आंवलिया के रूप में हुई है, जो विनायक इलेक्ट्रिकल कंपनी के माध्यम से परियोजना में कार्यरत था। रात करीब 8 बजे रविंद्र चौहान परियोजना परिसर में कन्वेयर बेल्ट के पास ड्यूटी कर रहा था। इसी दौरान वह अचानक बेल्ट की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद प्लांट में अफरा-तफरी मच गई और काम कुछ समय के लिए प्रभावित रहा। घटना की सूचना मिलते ही बीड़ और मूंदी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। प्लांट की सुरक्षा टीम और वरिष्ठ अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इधर, आज मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद के शव को परिजन के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतक के भाई अरविंद चौहान ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मशीन को बिना किसी पूर्व सूचना के चालू किया गया, जिससे यह हादसा हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि रविंद्र लंबे समय से लगातार ओवरटाइम ड्यूटी कर रहा था, जिससे थकान भी एक कारण हो सकती है। मूंदी टीआई राजेंद्र नरवरिया के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मौत के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

वहीं, परियोजना के मुख्य अभियंता जेसी जुनेवाल ने बताया कि घटना की आंतरिक जांच शुरू कर दी गई है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी। फिलहाल पुलिस और प्रबंधन दोनों स्तर पर जांच जारी है, जबकि इस हादसे ने औद्योगिक सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रदर्शन के बाद पाइपलाइन लीकेज किया ठीक, छह महीने से बह रहा था पानी

दैनिक इंदौर संकेत

धार • शहर के इमली वन क्षेत्र में पिछले छह महीने से लीक हो रही मुख्य पाइपलाइन को जनता के विरोध प्रदर्शन के बाद 24 घंटे के भीतर ठीक कर दिया गया है। इस लीकेज से हजारों लीटर पानी बर्बाद हो रहा था, जिससे भीषण गर्मी के बीच शहर में पानी की किल्लत और बढ़ रही थी। इमली वन क्षेत्र में पानी की टंकी से जुड़ी यह पाइपलाइन लंबे समय से खराब थी। लीकेज के कारण लगातार पानी पास के एक गंदे नाले में बह रहा था। इससे न केवल पानी की भारी बर्बादी हो रही थी, बल्कि नाले के ठीक बगल में पाइपलाइन फटने से दूषित पानी के सप्लाई लाइन में मिलने का गंभीर खतरा भी बना हुआ था। स्थानीय निवासियों ने इस समस्या को लेकर नगर पालिका से कई बार शिकायत की थी, लेकिन उन्हें हर बार केवल आश्वासन ही मिला। समस्या का समाधान न होने से नाराज होकर क्षेत्रवासियों ने विरोध प्रदर्शन का रास्ता अपनाया। मंगलवार को कांग्रेस जिला प्रवक्ता अजय सिंह ठाकुर के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने भीषण गर्मी के बावजूद धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान अजय सिंह ठाकुर ने सीधे नगर पालिका सीएमओ विश्वनाथ सिंह से फोन पर बात की, जिसके बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में जल सप्लाई विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और शुरुआत में 4-5 दिनों में सुधार का आश्वासन दिया। हालांकि, जनता के दबाव के कारण नगर पालिका को तुरंत कार्रवाई करनी पड़ी। बुधवार को ही पाइपलाइन को जोड़कर लीकेज को पूरी तरह से बंद कर दिया गया।

टी20 विश्वकप के लिए टीम को एकजुट होकर खेलना होगा : हरमनप्रीत

बेनोनी (एजेंसी) ● भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए उनकी टीम को अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। टी20 विश्वकप जुलाई में इंग्लैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम को यहां जिस प्रकार दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच टी20 मैचों की सीरीज में 4-1 से करारी हार का सामना करना पड़ा है उसपर हरमनप्रीत ने नाराजगी जतायी है और कहा है कि अब इस प्रकार की गलती नहीं की जा सकती है। कप्तान ने साफ कर दिया है कि अब टीम को एकजुट होकर खेलना होगा। हरमनप्रीत ने कहा कि जिस प्रकार से भारतीय टीम यहां अंतिम मैच में 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए लड़खड़ा गई और केवल 23 रनों से हार मिली, उस कमजोरियों को हमें दूर करना होगा। इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक दो महीने पहले मिली इस हार से टीम की कमजोरियां सामने आ गयी हैं। इसी को देखते हुए हरमनप्रीत ने कहा, हमें एक समूह के तौर पर साथ बैठकर सोचना होगा कि आगे कैसे बढ़ना है। यह हमारे लिए निराशाजनक है, लेकिन इसमें हमारे लिए बहुत सी सकारात्मक बातें और सीखने के लायक चीजें भी हैं।

एमेलिया की कप्तानी में टी20 महिला विश्वकप में उतरेगी न्यूजीलैंड

ऑकलैंड (एजेंसी) ● न्यूजीलैंड की टीम जुलाई में होने वाले टी20 महिला विश्वकप 2026 में एमेलिया केर की कप्तानी में उतरेंगी। न्यूजीलैंड बोर्ड ने इंग्लैंड में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम में युवा खिलाड़ियों नेन्सी पटेल और इजी शार्प को भी पहली बार शामिल किया गया है। इसके अलावा ब्री इलिंग और पॉली इंग्लिस भी टीम में शामिल की गयी हैं। न्यूजीलैंड की टीम ने पिछले कुछ समय से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। पिछले आठ टी20 मैचों में से उसे सात में जीत मिली है। टीम के मुख्य कोच बेन सॉयर को उम्मीद है टीम जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी। सॉयर ने कहा, 'जब भी आपको अपने देश की ओर से खेलने का अवसर मिलता है, वह सम्मान की बात होती है वहीं विश्वकप में तो बात ही कुछ और होती है। सभी खिलाड़ी इंग्लैंड जाने का लेकर उत्साहित अनुभव कर रहे हैं।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और गुजरात का मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी) ●इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबला होगा। गुजरात टाइटंस घरेलू मैदान पर लीग के इस मुकाबले में जीत दर्ज करने का प्रयास करेंगी हालांकि ये उसके लिए बेहद कठिन होगा। इस सत्र में टाइटंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है ओर उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी बेहद कमजोर हैं। गुजरात की टीम अंक तालिका में 8 अंक लेकर पांचवे नंबर पर है। वहीं दूसरी ओर आरसीबी 12 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और जीत की प्रबल दावेदार है। रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी के पास विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी ताकत का अंदाज होता है। वहीं गुजरात की कमान शुभमन गिल के पास है। टीम में शुभमन के अलावा साई सुदर्शन जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं पर टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

गेंदबाजी की बात करें तो आरसीबी के पास भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और क्रुणाल पांड्या जैसे गेंदबाज हैं जबकि गुजरात के पास कासिगो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे खिलाड़ी हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गेंदबाजी मे दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं। वहीं आंकड़ों पर पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से आरसीबी ने 4 जबकि गुजरात ने 3 जीते हैं

खलनायक 2 के बाद अब ताल 2 की स्क्रिप्ट भी तैयार

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता संजय दत्त अभिनीत ब्लॉकबस्टर फिल्म खलनायक के सीक्वल खलनायक 2 को लेकर चर्चाएं गर्म हैं, वहीं अब साल 1999 की म्यूजिकल सुपरहिट फिल्म ताल के सीक्वल को लेकर भी बड़ा अपडेट मिला है। हाल ही में फिल्म के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने पुष्टि की है कि ताल 2 की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और इस परियोजना पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। यह खबर सिर्फ पुराने फैंस के लिए ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी (जेन-जी) के दर्शकों के लिए भी उत्सुकता का विषय बन गई है, जो इस क्लासिक को फिर से बड़े पर्दे पर देखने की मांग कर रहे हैं। साल 1999 में रिलीज हुई ताल हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा फिल्मों में से एक है, जिसने संगीत, रोमांस और विजुअल स्टाइल के मामले में एक नया मानक स्थापित किया था। सुभाष घई के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं, और इसका संगीत आज भी लोगों की जुबान पर है।

गीता ने बांधे दिलजीत दोसांझ के तारीफों के पुल

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेता दिलजीत दोसांझ के करिश्माई व्यक्तित्व को देखते हुए अभिनेत्री गीता बसरा ने उन्हें मनोरंजन का फुल पैकेज बताया है। दिलजीत के कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान, गीता बसरा ने अपनी बातचीत में दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की और उन्हें अपना ऑल-टाइम फेवरेट पंजाबी कलाकार बताया। गीता ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। उन्होंने कहा, दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि एक शानदार गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक लाजवाब सिंगर होने के साथ-साथ एक कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं, जो हर मंच पर अपना सौ प्रतिशत देते हैं। गीता बसरा ने इस बात पर भी जोर दिया कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी है। वे कहती हैं, जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं। उन्होंने अपनी कला से दुनिया के बड़े मंचों पर भारत का नाम रोशन किया है। मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं और उनकी मेहनत, लगन व प्रतिभा की कायल हूं।

दिलजीत दोसांझ का चुलबुला अंदाज़, अपनी जड़ों से जुड़ाव और बेबाक व्यक्तित्व ही उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। चाहे उनकी फिल्में हों या लाइव परफॉरमेंस, उनकी ऊर्जा हर किसी को झूमने पर मजबूर कर देती है। दिलजीत दोसांझ जल्द ही दर्शकों के लिए एक और खास फिल्म मैं वापस आऊंगा लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म 1947 के बंटवारे की पृष्ठभूमि पर आधारित एक अधूरी प्रेम कहानी को दर्शाती है, जिसमें भावनाओं और ऐतिहासिक घटनाओं का सुंदर मिश्रण है। इस फिल्म में दिलजीत के साथ वेदांग रैना, शरवरी वाघ और दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

उज्जैन संभाग

कार शोरूम पर मैकेनिक को तिलक लगाने से मना किया, हिंदूवादी संगठनों का प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●लेंसकार्ट में तिलक और कलावा को लेकर हुए विवाद के बाद अब उज्जैन जिले के नागदा में तिलक लगाने को लेकर नया मामला सामने आया है। यहां मारुति सुजुकी कार शोरूम में काम करने वाले एक मैकेनिक ने आरोप लगाया है कि उसके सहकर्मी ने तिलक लगाकर आने पर उसे रोका, गाली-गलौज की और धमकी दी। घटना सोमवार शाम की है। सूचना मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता शोरूम पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। नागदा में उज्जैन-जावरा स्टेट हाईवे-17 स्थित मारुति सुजुकी शोरूम में दयानंद कॉलोनी निवासी रितिक उर्फ गोलू राठौर मैकेनिक के तौर पर कार्यरत हैं। रितिक का कहना है कि वह रोजाना माथे पर तिलक लगाकर काम पर पहुंचता था। इसी बात को लेकर खाचरौद निवासी सहकर्मी मुबारक लाला पिछले कुछ समय से आपत्ति जता रहा था। पीड़ित के अनुसार, मुबारक पिछले तीन माह से उसे तिलक लगाकर शोरूम आने पर परेशान कर रहा था। वह बेल्ट से पिटाई करने और जान से मारने की धमकी भी देता था। रितिक जब तिलक लगाकर शोरूम पहुंचा तो आरोपी ने फिर उसे टोका, गाली-गलौज की और धमकाया। इसके बाद रितिक ने हिंदूवादी संगठनों को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता शोरूम पहुंचे और नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। हंगामे की सूचना पर मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस ने रितिक के बयान के आधार पर आरोपी मुबारक लाला के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 299, 296(ए) और 351(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक ने मकान सील किया, परिवार ताला तोड़कर रहने लगा, 86 लाख का लोन ना चुकाने पर कब्जे में लिया था

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● एक जैन परिवार के दंपती और उनके दो बेटों पर पुलिस ने जबरन कब्जे के मामले में केस दर्ज किया हैं। आरोप है कि, लोन ना चुकाने पर उनका घर बैंक के आधिपत्य में जा चुका था। अपने आधिपत्य में लेकर बैंक ने मकान सील कर दिया था। इसके बावजूद जैन फैमिली ने पीछे के दरवाजे से मकान में घुसकर कब्जा कर लिया। बैंक अधिकारियों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र के सौमित्र नगर का हैं। बताते हैं कि, सौमित्र नगर निवासी चंद्रकुमार पिता बसंती लाल जैन ने एयू बैंक से संपत्ति पर लोन लिया था। उन्होंने बैंक को मकान गिरवी (बंधक) रखकर 86 लाख 67 हजार रुपए का लोन लिया। परिवार ने इस लोन की लंबे समय तक अदायगी नहीं की। बैंक ने बंधक प्रापर्टी को नीलाम करने के लिए नोटिस जारी कर दिया। लेकिन परिवार ने मकान बेचने से मना कर दिया। इसके बाद बैंक ने बंधक संबंधी दस्तावेज के आधार पर कलेक्टर को शिकायत की।

खंडवा कलेक्टर ने राजस्व से जुड़े इस मामले में बंधक के आधार पर मकान का कब्जा बैंक को देने के आदेश जारी कर दिए। हालांकि, बैंक कुछ दिनों तक कब्जा नहीं ले पाया। इस दौरान जैन परिवार ने लोन चुकाने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। कलेक्टर कोर्ट के आदेश के आधार पर बैंक ने कब्जा लेने के लिए तहसील कोर्ट में आवेदन किया। जहां से तहसीलदार ने मौके पर आकर बैंक को कब्जा दिलाया।? अब इसी बीच बैंक के आधिपत्य वाले मकान पर जैन परिवार ने पीछे के गेट से प्रवेश किया और वापस कब्जा करने की कोशिश की। एयू बैंक के अधिकारियों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने सौमित्र नगर निवासी नवीन कुमार जैन, उनके भाई प्रवीण कुमार जैन, मां निर्मला जैन और पिता चंद्र कुमार जैन के खिलाफ जबरन कब्जे संबंधी धारा के तहत केस दर्ज कर लिया हैं।

एमआर-11 पर 3 नए ट्रैफिक सिग्नल, सिंहस्थ-की तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● एमआर-11 मार्ग पर तीन नए ट्रैफिक सिग्नल जल्द शुरू होंगे। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत शहरभर में करीब 2000 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। प्रशासन ने बढ़ते ट्रैफिक दबाव और आगामी सिंहस्थ को देखते हुए यातायात व्यवस्था को हाईटेक बनाने यह कदम उठाया है। शहर के प्रमुख और व्यस्त एमआर-11 मार्ग पर तीन नए ट्रैफिक सिग्नल लगाने का कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जिन्हें जल्द ही चालू किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, शहर में कई ऐसे चौराहे थे जहां पहले ट्रैफिक सिग्नल नहीं थे, जिससे जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता था। नए सिग्नल से यातायात व्यवस्थित होगा और दुर्घटनाओं में कमी आने की उम्मीद है।

प्रशासन की योजना के तहत सिंहस्थ-2028 तक करीब 20 प्रमुख चौराहों पर सिग्नल लगाने की योजना है। इसके साथ ही, सुरक्षा और निगरानी के लिए शहर में लगभग 2000 हाई-रिजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इन कैमरों की मॉनिटरिंग इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से की जाएगी। ये सीसीटीवी कैमरे 24 घंटे निगरानी करेंगे, जिनके जरिए ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर नजर रखी जाएगी और जरूरत पड़ने पर तुरंत कार्रवाई की जा सकेगी। यह सिस्टम केवल यातायात नियंत्रण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा को भी मजबूत करेगा। किसी भी संदिग्ध गतिविधि या आपात स्थिति में पुलिस और प्रशासन को तुरंत अलर्ट मिलेगा।

पीएम मोदी ने काशी में देखी मप्र की 'वैदिक घड़ी' उज्जैन के समय गणना विज्ञान से हुए प्रभावित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने उत्तर प्रदेश प्रवास के दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में स्थापित 'विक्रमादित्य वैदिक घड़ी' का विशेष रूप से अवलोकन किया। मप्र की मोहन यादव सरकार द्वारा भेंट की गई इस अनूठी घड़ी की कार्यप्रणाली को प्रधानमंत्री ने न केवल करीब से देखा, बल्कि इसके वैज्ञानिक और आध्यात्मिक महत्व को भी बारीकी से समझा। उज्जैन (महाकाल की नगरी) से शुरू हुआ वैदिक घड़ी का यह सफर अब प्रमुख तीर्थ स्थलों तक पहुंच रहा है। इसी महीने की 3 तारीख को मप्र के मुख्यमंत्री ने यह घड़ी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट की थी। इसके ठीक अगले दिन इसे काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए स्थापित कर दिया गया था। प्रधानमंत्री ने काशी प्रवास के दौरान इस घड़ी के पास रुककर इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी ली। गौरतलब है कि यह घड़ी सामान्य घड़ियों से बिल्कुल अलग है। यह भारतीय वैदिक कालगणना पर आधारित है। यह समय बताने के साथ-साथ सूर्योदय, सूर्यास्त, ग्रहों की स्थिति, शुभ मुहूर्त और पंचांग की सटीक जानकारी रियल-टाइम में देती है। प्रधानमंत्री ने इस घड़ी का लोकार्पण साल 2024 में उज्जैन में किया था, और अब काशी में इसकी स्थापना भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रसार का प्रतीक बन गई है।

उज्जैन में फूलों की खेती को मिलेगा बढ़ावा:सीएम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए उज्जैन में सेंटर फॉर एक्सीलेंस फ्लोरीकल्चर खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि उद्यानिकी फसलें कम जमीन में अधिक आय का प्रभावी माध्यम हैं, इसलिए ज्यादा से ज्यादा किसानों को इससे जोड़ा जाए। मंत्रालय में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की योजनाओं की समीक्षा करते हुए सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को सीजनल और उद्यानिकी फसलों के साथ जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जाए। प्राकृतिक खाद के उपयोग को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की 40 विभागीय नर्सरियों को हाईटेक बनाया जा रहा है। वहीं प्रेसराइज्ड इरीगेशन वाले जिलों में 15 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सूक्ष्म सिंचाई का विस्तार किया जा रहा है। बैठक में उद्यानिकी मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा और मुख्य सचिव अनुराग जैन भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जानकारी दी कि मसाला फसलों के उत्पादन में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है। पुष्प और सब्जी उत्पादन में तीसरे तथा फल उत्पादन में चौथे स्थान पर प्रदेश है। बैठक में यह भी बताया गया कि मखाना क्षेत्र विस्तार योजना के तहत प्रदेश के 14 जिलों में मखाना उत्पादन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस योजना में केंद्र सरकार की ओर से परियोजना लागत पर 40% तक अनुदान दिया जा रहा है।

सरकार के लिए गले की हड्डी बन जाता विशेष सत्र, नियमों की आड़ में निकली बाहर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● महिला आरक्षण के मुद्दे पर बुलाया गया मध्यप्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र मोहन सरकार के लिए आसान नहीं रहा। एक प्रशासनिक चूक ने ऐसा सियासी पेंच फंसा दिया कि सरकार कुछ देर के लिए अपने ही रुख के उलट खड़ी होने की स्थिति में आ गई। सदन में हंगामा, तीखी बहस और नियमों की अलग-अलग व्याख्या के बीच सरकार को डैमेज कंट्रोल करना पड़ा। दरअसल, मोहन सरकार ने 27 अप्रैल को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लागू करने के मुद्दे पर केंद्र सरकार के समर्थन में एक दिन का विधानसभा विशेष सत्र बुलाया था। राज्य सरकार चाहती थी कि वह महिला आरक्षण पर अपनी मंशा साफ करे और सदन से सरकारी प्रस्ताव पास कराए, लेकिन जैसे ही प्रक्रिया आगे बढ़ी, एक चूक ने पूरे घटनाक्रम की दिशा बदल दी।

सरकार ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं के सर्वांगीण विकास एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से देश की संसद एवं सभी विधानसभाओं में महिलाओं के एक तिहाई आरक्षण तथा परिसीमन लागू करने संबंधी संकल्प पत्र पेश किया। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार के शासकीय संकल्प पर संशोधन प्रस्ताव रखा। विपक्ष ने कहा कि महिलाओं के

सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण विधानसभा, लोकसभा में मौजूदा सीटों पर शीघ्र प्रदान किया जाए। विधानसभा सचिवालय ने कांग्रेस के संशोधन को गहराई से परखे बिना स्वीकार कर लिया और मामला पेचीदा हो गया। संशोधन स्वीकार होने का मतलब था कि उस पर आगे की प्रक्रिया भी तय करनी पड़ेगी। इसी दौरान दूसरी बड़ी स्थिति बनी और कांग्रेस के संशोधन पर वोटिंग की संभावना बन गई।

प्रमुख सचिव की बड़ी गलती

विशेष सत्र में प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को संकेत दिया था कि संशोधन पर वोटिंग कराई जा सकती है। इसी आधार पर संशोधन को वोटिंग के लिए स्वीकार करने की स्थिति बनी थी। यही वह मोड़ था, जहां से विवाद खुलकर सामने आ गया। सत्ता पक्ष को जैसे ही स्थिति का पूरा अंदाजा हुआ, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मंत्री प्रहलाद पटेल खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया पर आपत्ति है और नियमों के अनुसार स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए। इसके बाद सदन में असमंजस का माहौल बन गया। एक तरफ कांग्रेस अपने संशोधन पर अड़ी रही, दूसरी तरफ बीजेपी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाती रही। बहस तेज होती गई और माहौल गरमा गया।

सीएम-नेता प्रतिपक्ष में नोंक-झोंक

इस घटनाक्रम के बीच मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बीच तीखी नोंक-झोंक देखने को मिली। दोनों तरफ से आरोप-प्रत्यारोप हुए। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर पुराने फैसलों को लेकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 55 साल पहले परिसीमन को 'सीज' कर दिया था, जिसकी वजह से देश की आधी आबादी आरक्षण से वंचित रही। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने संसद में संशोधन विधेयक का समर्थन नहीं करके महिलाओं के साथ विश्वासघात किया। विपक्ष के हंगामे पर मुख्यमंत्री ने कड़ा रुख दिखाते हुए कहा कि जोर-जोर से चिल्लाकर डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन सरकार सदन में भी जवाब देना जानती है और मैदान में भी। इसके जवाब में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री की भाषा और रवैये पर सवाल उठाए। उन्होंने इस नोंक-झोंक का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सरकार की कार्यशैली को निशाने पर लिया।

यदि वोटिंग होती...

कांग्रेस का संशोधन था कि अभी आरक्षण दो। बीजेपी यदि इसके खिलाफ वोट करती तो बाहर क्या मैसेज जाता?

कांग्रेस कहती: देखो, हम महिलाओं को आरक्षण देना चाहते हैं, बीजेपी नहीं चाहती। यानी बीजेपी महिला विरोधी दिखती।

यदि बीजेपी हां कर देती

बीजेपी के पास संख्या ज्यादा थी, वो प्रस्ताव पास करा सकती थी। लेकिन प्रस्ताव में लिखा था कि अभी आरक्षण लागू करो। जबकि बीजेपी की लाइन है कि परिसीमन के बाद लागू होगा। अगर बीजेपी हां करती तो उसे उसी बात के साथ खड़ा दिखना पड़ता, जो वह खुद नहीं मानती। यानी पार्टी अपने ही रुख के खिलाफ जाती हुई नजर आती।

8 घंटे तक चला यह विशेष सत्र

करीब 8 घंटे तक चले इस सत्र में स्थिति कई बार उलझती नजर आई। विपक्ष ने मत विभाजन की मांग की। हंगामा हुआ। एक-दूसरे पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप हुए। आखिरकार, लंबी बहस और हंगामे के बीच प्रदेश सरकार ने अपना शासकीय संकल्प पारित करा लिया। संख्या बल के आधार पर बीजेपी ने जीत तो हासिल कर ली, लेकिन पूरा घटनाक्रम कई सवाल छोड़ गया। सबसे बड़ा सवाल यही रहा कि एक प्रशासनिक स्तर की चूक ने सरकार को ऐसी स्थिति में कैसे ला दिया, जहां उसे अपने ही रुख से टकराने का खतरा खड़ा हो गया।

विजयवर्गीय ने पीएस को फटकारा

सत्र खत्म होने के बाद नाराजगी सामने आई। संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा पर भड़क गए। उन्होंने कक्ष में उन्हें जमकर फटकार लगाई। साफ कहा कि एक तकनीकी गलती ने पूरे सदन को मुश्किल में डाल दिया। सूत्रों के मुताबिक, मामला यहीं नहीं रुका। बाद में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने खुद पहल कर स्थिति संभालने की कोशिश की। उन्होंने कैलाश विजयवर्गीय को फोन कर बताया कि आसंदी पर उठाए गए सवालों को रिकॉर्ड से हटा दिया गया है। कुल मिलाकर, महिला आरक्षण जैसे गंभीर मुद्दे पर बुलाया गया यह विशेष सत्र बीजेपी के लिए राजनीतिक संदेश देने का मंच बनने के बजाय ऐसी स्थिति में बदल गया, जहां एक छोटी सी चूक ने सरकार को अपने ही बनाए चक्रव्यूह में फंसा दिया।

अब जानें किसने क्या कहा?

नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बातचीत में कहा कि विधानसभा ने कार्यवाही को आगे बढ़ाया, फिर अपने कदम वापस खींच लिए। विधानसभा के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है। उधर, बीजेपी का कहना है कि संशोधन प्रस्ताव पर कभी वोटिंग नहीं होती है।

इंदौर में गेहूं खरीदी का कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण, किसानों के बीच बैठकर किया भोजन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के इंदौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारू बनाए रखने के लिए प्रशासन लगातार सक्रिय नजर आ रहा है. इसी कड़ी में मंगलवार को कलेक्टर शिवम वर्मा ने लक्ष्मीबाई नगर अनाज मंडी पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खरीदी केंद्रों की कार्यप्रणाली को बारीकी से परखा और मौके पर मौजूद किसानों से बातचीत कर जमीनी हकीकत जानी.

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जिले में खरीदी व्यवस्थाओं की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। कलेक्टर ने बताया कि पूरे जिले में कुल 90 खरीदी केंद्र संचालित हो रहे हैं, जिनमें लक्ष्मीबाई नगर मंडी में फिलहाल दो केंद्र सक्रिय हैं. उन्होंने अधिकारियों के साथ मिलकर तौल, पंजीयन और भुगतान प्रक्रिया का निरीक्षण किया. यह सुनिश्चित किया कि किसानों को किसी तरह की परेशानी न हो. निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित पाई गईं, जिस पर कलेक्टर ने संतोष जताया। मंडी में मौजूद किसानों ने भी प्रशासनिक व्यवस्थाओं की सराहना की और कहा कि उन्हें किसी प्रकार की बड़ी समस्या का सामना नहीं करना पड़ रहा है.

क्या 6-7 लोगों की कमेटी ही मप्र का भविष्य तय करेगी?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बुधवार को पत्रकारों से चर्चा में मप्र सरकार को कई मुद्दों पर घेरा और गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने महिला आरक्षण और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर कहा कि महिला आरक्षण पर एक ओर सरकार 2029 के सपने दिखा रही है, वहीं दूसरी ओर बंद कमरों में निर्णय लिए जा रहे हैं। सिंघार ने यूसीसी को लेकर सवाल किया कि क्या केवल 6-7 लोगों की कमेटी मप्र का भविष्य तय करेगी? क्या भाजपा सरकार के लिए जनता की राय कोई मायने नहीं रखती? नेता प्रतिपक्ष ने ओबीसी आरक्षण पर कहा कि प्रदेश में 50 प्रतिशत से अधिक आबादी के बावजूद सरकार उन्हें अधिकार देने में हिचकिचा रही है। विधायक निर्मला सप्रे के मामले में कहा कि यह मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है और उन्हें विश्वास है कि न्यायालय इस पर जल्द निर्णय देगा। किसानों की समस्याओं को उठाते हुए उन्होंने कहा कि गेहूं खरीदी

को लेकर प्रदेश में सर्वर डाउन, स्लॉट गायब और अव्यवस्थाओं के कारण किसान परेशान हैं। पहले मंडियों में पर्ची कटते ही तुलाई हो जाती थी, लेकिन अब इंटरनेट व्यवस्था के कारण किसानों का हक अटक गया है।

संघ-संगठन-सरकार का भोपाल में मंथन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के निवास में हुई इस बैठक को सिर्फ औपचारिक मंथन मानने वाले अब अपने आकलन पर फिर सोचने को मजबूर हैं। दरअसल, इसकी वजह बैठक के बीच में आया एक वरिष्ठ नेता का ऐसा बयान है, जिसने सियासी माहौल में फिर नई बहस छेड़ दी है। ऊपर से यह बैठक समन्वय की थी, लेकिन अंदर चली चर्चा और नेताओं की बॉडी लैंग्वेज ने कई संकेत दे दिए।

मंगलवार, 28 अप्रैल की रात मुख्यमंत्री आवास पर संघ, भाजपा और सरकार के शीर्ष नेतृत्व की लंबी बैठक चली, इसमें मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह-सरकार्यवाह अरुण कुमार, दीपक विस्पुते, क्षेत्र प्रचारक स्वप्निल कुलकर्णी, बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल सहित तमाम शीर्ष नेता शामिल हुए। बैठक में आने वाले समय की रणनीति पर चर्चा हुई। प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड,

सामाजिक समरसता और हिंदू एकता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से बात हुई। संघ के एजेंडे को कैसे जमीन पर उतारा जाए, इस पर भी मंथन हुआ। इसके साथ ही मोहन सरकार के ढाई साल पूरे होने पर राजनीतिक और संगठनात्मक रूप से क्या संदेश दिया जाए, इस पर भी विचार किया गया। बैठक में सबसे ज्यादा चर्चा जिस बात की रही, वो थी नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की चुप्पी।

जनगणना 2027 : एक मई से होगी मकानों की गणना

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● जनगणना 2027 को लेकर इंदौर जिले में तैयारियां पूरी हो चुकी है। पहले चरण में एक मई से मकानों की गणना का कार्य प्रारंभ होगा। ऑनलाइन होने वाली गणना के लिए छह हजार प्रगणक और बारह सौ से अधिक सुपरवाइजर को प्रशिक्षण दिया गया है। मकानों की गणना के लिए जिले में 5931 ब्लाक बनाए गए है। वहीं इंदौर जिले को 41 क्षेत्रों में बांटा गया है। जनगणना के लिए जिले में मार्च माह में मकानों की नंबरिंग का कार्य किया गया था, नंबरिंग के आधार जिले में 5931 ब्लाक बनाए गए। इन ब्लाकों में प्रत्येक में औसतन 180 से 200 मकानों को शामिल किया गया है। खास बात यह है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को संतुलित रूप से कवर किया गया है।

30 मई तक मकानों की गणना का काम होगा

ग्रामीण क्षेत्रों में 2070 ब्लाक बनाए गए हैं, जहां करीब 3.90 लाख निर्माण चिह्नित किए गए, जबकि शहरी क्षेत्र में 3861 ब्लाक बनाकर 7.15 लाख से अधिक निर्माणों को शामिल किया गया है। पहले चरण के तहत एक से 30 मई तक मकानों की गणना (हाउस लिस्टिंग) का कार्य किया जाएगा।

इस दौरान प्रगणक घर-घर जाकर 34 ऑनलाइन सवालों के जरिए विस्तृत जानकारी एकत्र करेंगे। इसके बाद फरवरी 2027 में आबादी की वास्तविक गणना की जाएगी। आबादी की गणना का कार्य 1 से 28 फरवरी तक होगी।

भाजपा की सहयोग निधि में कद्दावर मंत्री पिछड़े

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश भाजपा के कद्दावर नेता और कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की विधानसभा इंदौर-1 से एक हैरान करने वाली जानकारी सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी के 'आजीवन सहयोग निधि' अभियान की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि इंदौर-1 से जुटाई गई राशि का आंकड़ा शहर की अन्य विधानसभाओं के मुकाबले काफी कम है। इस खुलासे के बाद प्रदेश संगठन ने सख्ती दिखाते हुए सभी जिला अध्यक्षों से विधानसभावार विस्तृत रिपोर्ट तलब की है।

30 अप्रैल को समाप्त हो रहा है अभियान

11 फरवरी से शुरू हुआ यह निधि संग्रहण अभियान अब 30 अप्रैल को समाप्त होने जा रहा है। अभियान के प्रभारी विधायक गोलू शुक्ला और सह-प्रभारी हरप्रीत सिंह बक्शी अब तक के कलेक्शन का अंतिम हिसाब तैयार करने में जुटे हैं। अब तक कुल 4.60 करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं, जो पिछले साल के मुकाबले लगभग 11 लाख रुपये ही कम हैं।

विधानसभावार आंकड़ों ने बढ़ाई चिंता

जब विधानसभा वार सूची तैयार की गई, तो कुछ दिलचस्प और चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए:

इंदौर-1 (कैलाश विजयवर्गीय): यहाँ से अब तक सबसे कम मात्र 48 लाख रुपये की राशि ही जमा हुई है।

इंदौर-3 (राकेश गोलू शुक्ला): शहर की सबसे छोटी विधानसभा होने

के बावजूद यहाँ से 69 लाख रुपये जुटाए गए।

राऊ विधानसभा: यहाँ केवल 8 वार्ड होने के बाद भी अब तक 30 लाख रुपये जमा हो चुके हैं।

संगठन की 'परफॉर्मेंस' रिपोर्ट पर नजर

संगठन द्वारा विधानसभावार आंकड़े मांगने के पीछे असली मंशा विधायकों की सक्रियता को मापना है। प्रदेश संगठन यह स्पष्ट करना चाहता है कि इस महत्वपूर्ण अभियान में किस विधायक ने कितनी मेहनत की और किसका कार्यकर्ताओं पर कितना प्रभाव रहा। इंदौर-1 जैसे बड़े और महत्वपूर्ण क्षेत्र का पिछड़ना पार्टी के भीतर चर्चा का विषय बना हुआ है।

अभियान का लक्ष्य

बीजेपी हर साल संगठन को आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान करने के लिए 'आजीवन सहयोग निधि' अभियान चलाती है। इस बार के अभियान में इंदौर जिले का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है, लेकिन विधानसभावार असमानता ने नेताओं की चिंता बढ़ा दी है। 30 अप्रैल के बाद फाइनल रिपोर्ट कार्ड तैयार होगा, जिससे स्थिति और अधिक साफ हो जाएगी।

दिन में सोलर एनर्जी से पानी होगा स्टोर, रात में उसी पानी से बनेगी बिजली

40 साल के लिए 500 मेगावाट एनर्जी, स्टोरेज खरीदेगी मध्यप्रदेश सरकार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी (एमपी पीएमसीएल) ने राज्य में बिजली आपूर्ति और स्टोरेज क्षमता बढ़ाने के लिए 500 मेगावाट ऊर्जा भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) क्षमता खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह खरीद पम्प्ड स्टोरेज प्लांट्स (पीएसपी) के माध्यम से की जाएगी, जो इंटर स्टेट ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) से जुड़े होंगे।

इस परियोजना के तहत चयनित कंपनियों से 40 वर्षों की लंबी अवधि के लिए बिजली खरीदी जाएगी। पम्प्ड स्टोरेज प्लांट्स की खासियत यह है कि वे 6 घंटे तक बिजली आपूर्ति कर सकते हैं, जबकि अधिकतम 4 घंटे तक लगातार डिस्चार्ज की क्षमता रखते हैं। यह तकनीक विशेष रूप से तब उपयोगी होती है, जब सोलर और विंड जैसे

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पादन में उतार-चढ़ाव होता है। ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञों के अनुसार, मध्यप्रदेश में तेजी से बढ़ रही सौर ऊर्जा क्षमता के कारण ग्रिड बैलेंसिंग एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। दिन में अधिक उत्पादन और शाम के समय पीक डिमांड के बीच संतुलन बनाने के लिए बड़े स्तर पर ऊर्जा भंडारण की जरूरत होती है। पम्प्ड स्टोरेज प्लांट्स इस समस्या का प्रभावी समाधान माने जाते हैं, क्योंकि वे अतिरिक्त बिजली को स्टोर कर जरूरत के समय उपयोग में लाते हैं। यह परियोजना न केवल राज्य में बिजली आपूर्ति की विश्वसनीयता बढ़ाएगी, बल्कि नवीकरणीय ऊर्जा को बेहतर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आने वाले वर्षों में इस तरह की परियोजनाएं मध्यप्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में अधिक आत्मनिर्भर और आधुनिक बनाने की दिशा में अहम साबित हो सकती हैं।

ऐसे काम करेगा स्टोरेज प्लांट - जब बिजली की मांग कम होती है,

खासकर दिन में जब सौर ऊर्जा का उत्पादन ज्यादा होता है, तब अतिरिक्त बिजली का उपयोग करके पानी को निचले जलाशय से ऊपरी जलाशय में पंप किया जाता है। यह प्रक्रिया ऊर्जा को स्टोर करने का काम करती है। बाद में, जब बिजली की मांग बढ़ती है-जैसे शाम या रात के समय-तो यही पानी ऊपर से नीचे छोड़ा जाता है, जिससे टरबाइन घूमती है और बिजली उत्पन्न होती है। यह प्लांट एक बार में अधिकतम 4 घंटे तक अपनी पूरी क्षमता (जैसे 500 मेगावॉट) पर लगातार चल सकता है। इसके बाद या तो उसे आंशिक लोड पर चलाना पड़ सकता है या कुछ समय के लिए रुकना पड़ सकता है। लेकिन कुल मिलाकर, वह 6 घंटे तक बिजली देने में सक्षम रहता है, भले ही बीच में लोड कम-ज्यादा हो।

पम्प्ड स्टोरेज प्लांट (पीएसपी), एक बार पूरी तरह चार्ज होने के बाद लगातार 6 घंटे तक बिजली सप्लाई करने में सक्षम होती है। यह अवधि उस कुल समय को दर्शाती है, जितने समय तक प्लांट अपनी संग्रहित (स्टोरेज) ऊर्जा को उपयोग में लाकर ग्रिड को बिजली दे सकता है। यह प्लांट एक समय में 500 मेगावॉट बिजली देने की क्षमता रखता है। यदि यह प्लांट 6 घंटे तक लगातार बिजली देता है, तो कुल ऊर्जा आपूर्ति 3000 मेगावाट घंटा होगी। यही वह ऊर्जा है, जो पहले स्टोर की गई थी और अब जरूरत के समय उपयोग में लाई जा रही है।

प्रदेश में 7339 मेगावॉट नवकरणीय ऊर्जा

प्रदेश साल 2012 की तुलना में नवकरणीय ऊर्जा में 17 फीसदी का इजाफा हुआ है। अब प्रदेश में 7339 मेगावॉट नवकरणीय ऊर्जा है। इसमें सोलर एनर्जी 4237 मेगावॉट है। वहीं पवन ऊर्जा 2870.35 मेगावॉट और बायोमास में 108 मेगावॉट और जल परियोजनाओं से उत्पादन होने वाली बिजली 123.91 मेगावॉट है। अब अगले पांच साल में 14 हजार मेगावॉट के नए प्लांट लगाए जाने का टारगेट तय किया गया है। इससे नवकरणीय ऊर्जा का उत्पादन प्रदेश में बढ़ जाएगा। प्रदेश में पीएम सूर्य घर योजना के तहत भी प्लांट लगाए जा रहे हैं। प्रदेश में सोलर रूफटॉप योजनाओं को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके तहत रेस्को और ईपीसी मोड पर लगभग 53 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। नवकरणीय एनर्जी बढ़ने के साथ ही अब इसको स्टोर करने की प्रक्रिया भी सरकार ने शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।